



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 163]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 25, 2011/श्रावण 3, 1933

No. 163]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 25, 2011/SRAVANA 3, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2011

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पॉलीटेट्राफ्लोरोइथिलीन (पीटीएफई) के आयात पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा के अंतिम जाँच परिणाम ।

फा. सं. 15/8/2010-डीजीएडी.— समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित उसके सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, (जिसे एतद्पश्चात नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ।

क . मामले की पृष्ठभूमि

प्राधिकारी ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित उसके सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, (जिसे एतद्पश्चात नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए उपशीर्ष 39046100 के अंतर्गत आने वाले, चीन जन.गण. (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पॉलीटेट्राफ्लोरोइथिलीन (जिसे एतद्पश्चात पी टी एफ ई या संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की थी । प्राधिकारी की अंतिम जाँच परिणाम अधिसूचना दिनांक 25.7.2011 की अधिसूचना सं. 14/25/2003-डी जी ए डी के जरिए प्रकाशित हुई थी । जांच

परिणामों के आधार पर केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 17.10.2005 की अधिसूचना सं. 91/2005-सी.शु. के जरिए संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। तत्पश्चात प्राधिकारी ने उक्त निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधिक समीक्षा की थी और दिनांक 26 फरवरी, 2010 की अधिसूचना सं. 15/33/2008-डी जी ए डी के जरिए शुल्क में परिवर्तन किया था तथा केन्द्र सरकार ने दिनांक 5 अप्रैल, 2010 की अधिसूचना सं. 42/2010-सी.शु. के लिए परिवर्तित शुल्क लागू किया था। मूल जांच में याचिका मै. हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. द्वारा तथा मध्यावधिक समीक्षा में याचिका घरेलू उद्योग के रूप में मै. गुजरात फ्लोरोकेमिकस लि. एवं मै हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. द्वारा दायर की गई थी।

ख. प्रक्रिया

2. वर्तमान जांच में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है :-

क. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1995 के नियम 9 क (5) के अंतर्गत यदि लगाया गया पाटनरोधी शुल्क पहले ही समाप्त न किया गया हो तो वह उसे लागू करने की तारीख से पांच वर्ष के बाद स्वतः समाप्त हो जाता है और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि क्या इस मामले में पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने से पाटन एवं क्षति जारी रहेगी अथवा उसकी पुनरावृत्ति होगी, किया जाना अपेक्षित होता है। इस संबंध में वर्ष 2006 की रिट याचिका सं 16893 में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने माना है कि निर्णायक समीक्षा अनिवार्य है। अतः माननीय उच्च न्यायालय के उपर्युक्त आदेशों के अनुसरण में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार यह जांच करने के लिए कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने का परिणाम पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति के रूप में होगा, दिनांक 26.7.2010 की अधिसूचना सं. 15/8/2010-डी जी ए डी के जरिए स्वतः निर्णायक समीक्षा शुरू की थी।

ख. जांच शुरूआत के उत्तर में प्राधिकारी को मै. गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. तथा मै. हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. से शुल्क की समीक्षा, उसमें वृद्धि एवं उसे जारी रखने का अनुरोध करते हुए निर्णायक समीक्षा हेतु विधिवत प्रमाणित आवेदन प्राप्त हुआ था। याचिकाकर्ता ने लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा, उसमें वृद्धि एवं उसे जारी रखने का अनुरोध करते हुए इस संबंध में प्रथमदृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किए थे।

- ग. वर्तमान समीक्षा के दायरे में पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं के सभी पहलू शामिल हैं ।
- घ. नियम 6(2) के अनुसार संबद्ध देश के नई दिल्ली स्थित दूतावास की जांच शुरुआत की सूचना दी गई थी ।
- ङ. प्राधिकारी ने नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देश के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय पाठ की प्रति उपलब्ध कराई थी । अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उनके अनुरोध पर अगोपनीय आवेदन की प्रति उपलब्ध कराई गई थी ।
- च. प्राधिकारी ने नियम 6(2) तथा 6(4) के अनुसार सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों (जिनके नाम एवं पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को भेजी थी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अवसर दिया था ।

- (i) डुपोन्ट (चांगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कंपनी लि. चांगशू सिटी, जियांगशू प्रोविन्स, चीन,
- (ii) मे. इंगजिन फ्लूरोकार्बन्स, जियांगशू, चीन,
- (iii) शानडोंग डोंगयूई कैमिकल कं. लि,
- (iv) चांगझोऊ जियांगटोंग कैमिकल कं. लि, चीन
- (v) ताइझोऊ मेइलान रेजिन प्रोसेस कं. लि. जियांगशू, चीन, ताइझोऊ, चीन,
- (vi) शानडोंग डोंगयूई पॉलीमर मैटीरियल कं. लि. जिबो सिटी, शेनडोंग, चीन

छ. संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित उत्पादक/निर्यातक से निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ है :-

डुपोन्ट (चांगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कंपनी लि., चीन जन.गण.।

ज. प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित सभी ज्ञात आयातकों (जिनके नाम एवं पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक सूचना की प्रति अग्रेषित की थी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने की सलाह दी थी ।

- i. गोएन्का एंड संस, मुंबई
- ii. प्रगति इंटरनेशनल, नई दिल्ली
- iii. वीनस इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली
- iv. मेकेनिकल पैकिंग इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली
- v. मैक पॉलीमर्स, पुणे,
- vi. टी कोटिंग इंडस्ट्रीज, अहमदाबाद
- vii. प्रगति प्लास्टिक प्रा.लि., नई दिल्ली
- viii. ऑटोमेट इंडस्ट्रीज, अहमदाबाद
- ix. डिप फ्लोन इंजीनियरिंग कं., अहमदाबाद
- x. प्लास्टिक प्रोडक्ट इंजीनियरिंग कं. अहमदाबाद
- xi. कोरीसंस इंजीनियर्स, अहमदाबाद
- xii. सांघवी प्रोडक्ट्स
- xiii. मेरठ पी टी एफ ई प्रोडक्ट्स प्रा लि.
- xiv. टॉक एंड एसोसिएट्स (प्रा.)लि.
- xv. ट्रेस्टर इलेक्ट्रॉनिक्स
- xvi. ई.आई. जूपोनट इंडिया (प्रा) लि.
- xvii. टी एंड एफ इंसुलेशन (प्रा.) लि.

निम्नलिखित निर्यातकों ने जांच शुरुआत सूचना का उत्तर दिया है :

- i. ट्रेस्टर इलेक्ट्रॉनिक्स,
- ii. गाजियाबाद फ्लोपोल इंसुलेशन प्रा.लि.
- iii. मेरठ पीटीएफई प्रोडक्ट्स प्रा.लि.
- iv. टेफकोट केबलस कं
- v. टी एंड एफ इंसुलेशन (प्रा.) लि.
- vi. टॉक एंड एसोसिएट्स (प्रा.) लि.

- vii. ई.आई डूपोन्ट इंडिया (प्रा.) लि. - तथापि कंपनी ने निर्धारित रूप एवं प्रपत्र में आयातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है ।
- झ. प्राधिकारी ने अपने द्वारा रखी जाने वाली सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय सारांश को उपलब्ध रखा और नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए उसे खुला रखा ।
- ञ. निर्यातक, उत्पादक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकार जिन्होंने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है, इस जांच के संगत सूचना प्रस्तुत नहीं की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है ।
- ट. निर्धारित समयावधि के भीतर प्राधिकारी को संगत सूचना उपलब्ध कराने के अनुरोध के साथ सभी ज्ञात निर्यातकों और चीन जन.गण. के दूतावास को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एम ई टी) प्रश्नावली भेजी गई थी ।
- ठ. यह सुनिश्चित करने के लिए कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर उत्पादन लागत एवं भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने एवं बेचने की लागत पर आधारित क्षति रहित कीमत निर्धारित करने के लिए आवेदकों से सूचना मांगी गई थी ।
- ड. उपयुक्त समझी गई सीमा तक याचिकाकर्ता की सूचना का सत्यापन किया गया था ।
- ढ. हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक रूप से सुनवाई करने के लिए प्राधिकारी ने 04.05.2011 को सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की थी । सार्वजनिक सुनवाई के दौरान उपस्थित हितबद्ध पक्षकारों से मौखिक रूप से प्रस्तुत विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी और उन्हें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विचारों पर प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने का भी अवसर दिया गया था । हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अभ्यावेदनों एवं प्रत्युत्तरों की संगत सीमा तक इस जांच परिणाम में जांच की गई है/उनका समाधान किया गया है ।
- ण. नियमों के नियम 16 के अनुसार 6 अनिवार्य तथ्यों को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर प्राप्त उनकी टिप्पणियों का संगत एवं उपयुक्त सीमा तक इस जांच परिणाम में समाधान किया गया है/जांच की गई है ।
- त. दिनांक 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2011 तक की अवधि (जिसे जांच अवधि या पी ओ आई भी कहा गया है) के लिए जांच की गई है । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2006-07, 2007-08, 2008-09 तथा जांच अवधि शामिल हैं ।
- थ. इस अधिसूचना में *** से गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना अभिप्रेत है और नियम के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा यही माना गया है ।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

2. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु से संबंधित मध्यावधिक समीक्षा जांच में दिनांक 26.2.2010 की मध्यावधि समीक्षा जांच परिणाम में निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद माना गया था ।
 - i. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल का अथवा वहां से निर्यातित "पॉलीटेट्राफ्लोरोइथिलीन" (जिसे पी टी एफ ई भी कहा गया है) है । पी टी एफ ई का उत्पादन मोल्लिंग ग्रेड, फाइन पाउडर, ऐक्वस डिस्पर्सनस तथा फिलड ग्रेड्स के कंपाउंड ग्रेड्स जैसे विभिन्न ग्रेडों में किया जाता है ।
 - ii. पी टी एफ ई का उपयोग मुख्य रूप से विद्युतीय, इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक एवं रसायनिक उद्योग में उसके अनन्य गुणधर्मों के लिए किया जाता है, ये गुणधर्म हैं:- रासायनिक रूप से निष्क्रियता, विद्युत एवं तापरोधी, क्रम घर्षण गुणांक, अविषाक्त, अज्वलनशील, विकिरण प्रतिरोध, स्थैतिक एवं गतिशील घर्षण का कम स्तर तथा व्यापक बारंबारता रेंज में अभूतपूर्व विद्युतीय विशेषताएं ।
 - iii. पॉलीटेट्राफ्लोरोइथिलीन (पी टी एफ ई) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के उपशीर्ष 390461 तथा उपशीर्ष सं. 39046100 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं । सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है ।

घरेलू उद्योग के विचार

4. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार निवेदन किया है :-
 - क. चूंकि वर्तमान जांच समीक्षा जांच है, अतः विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही होना चाहिए जो मूल जांच में था ।
 - ख. टी एफ ई को पॉलीटेट्राफ्लोरोइथिलीन में परिवर्तित करने के लिए अत्यधिक प्रसंस्करण अपेक्षित नहीं होता है ।
 - ग. टी एफ ई कच्ची सामग्री नहीं अपितु पॉलीटेट्राफ्लोरोइथिलीन के अंतिम उत्पाद से पूर्व मध्यर्ती चरण है ।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

5. निर्यातक तथा आयातकों/उपभोक्ताओं ने निम्नानुसार निवेदन किया है :-
 - क. मै ड्यूपॉट (चांगशु) फ्लोरो टेक्नॉलॉजी कं. लि. द्वारा यह तर्क दिया गया है कि विचाराधीन उत्पाद का दायरा अत्यधिक व्यापक है क्योंकि जांच शुरुआत की सूचना में

- पी टी एफ ई के सभी ग्रेड शामिल हैं जबकि मै. गुजरात फ्लोरो केमिकल्स लि. द्वारा पी टी एफ ई के केवल एक ग्रेड अर्थात् ग्रैनुलर रेजिन का उत्पाद किया जाता है ।
- ख. यह भी तर्क दिया गया है कि ऐसे ग्रेड जिनका विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है, उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए ।
- ग. पॉलीटेट्राफ्लोइथिलीन के लिए टी ई एफ कच्ची सामग्री है ।
- घ. यह कहना कि टी एफ ई को पॉलीटेट्राफ्लोइथिलीन में परिवर्तित करने के लिए अत्यधिक प्रसंस्करण अपेक्षित नहीं होता है, गलत है ।
- ड. उत्पाद के दायरे की समीक्षा की जाए और उसे घटाकर पॉलीटेट्राफ्लोइथिलीन के ग्रैनुलर ग्रेड तक ही रखा जाए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

6. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच प्राधिकारी द्वारा पूर्व में की गई सिफारिशों के आधार पर पी टी एफ ई के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है । मूल जांच में हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. घरेलू उद्योग था जबकि मध्यावधिक समीक्षा जांच में गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. और हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. घरेलू उद्योग थे । वर्तमान कार्यवाही की शुरुआत की सूचना की प्रतिक्रिया में हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. ने घरेलू उद्योग के रूप में उत्तर दिया है और उन्होंने संगत सूचना प्रस्तुत की है । प्राधिकारी ने इन तर्कों सहित कि संबद्ध देश से आयात किए जा रहे विचाराधीन उत्पाद से संबंधित कुछेक ग्रेडों का भारत में विनिर्माण नहीं किया जा रहा है अथवा कोई घरेलू समान उत्पाद नहीं है या उत्पाद का दायरा काफी व्यापक है । विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के विरोधों की जांच की है । उपयुक्त जांच और मूल जांच के साथ-साथ मध्यावधि समीक्षा जांच में प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित अंतिम जांच परिणामों पर विचार करने के बाद यह नोट किया गया है विचाराधीन उत्पाद के किसी विशेष ग्रेड को तब तक नहीं हटाया जा सकता है जब तक घरेलू उद्योग द्वारा समान घरेलू उद्योग में गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. तथा हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. शामिल हैं । मूल जांच के समय हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. था । मूल जांच में यह स्थापित किया गया था कि घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद के समान उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति करता है ।

7. चूंकि वर्तमान जांच में गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. तथा हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. दोनों ने ही प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है और समस्त संगत सूचना उपलब्ध कराई है, अतः विचाराधीन उत्पाद के दायरे और समान वस्तु का निर्णय इन दोनों कंपनियों द्वारा उत्पादित एवं अपूर्ण वस्तुओं के आधार पर किया जाना अपेक्षित है । घरेलू उद्योग के अभ्यावदनों की जांच करने

और सत्यापन करने के बाद यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग प्रकटन विवरण में यथापरिभाषित सभी ग्रेडों में विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण करता है ।

8. अतः प्राधिकारी मानते हैं कि इस निर्णायक समीक्षा के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद का कार्यक्षेत्र, मूल जांच एवं मध्यावधिक समीक्षा जांच के अंतिम जांच परिणामों में उल्लिखित कार्यक्षेत्र के समान ही होगा ।

घ. घरेलू उद्योग एवं स्थिति

निर्यातकों के विचार

9. यह तर्क दिया गया है कि निर्णायक समीक्षा में घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र को बदला नहीं जा सकता है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू करने के संबंध में जारी किए गए नोटिस के प्रतिक्रियास्वरूप, गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. नाएडा एवं हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन लि. हैदराबाद द्वारा पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण की अवधि में विस्तार की मांग करते हुए संयुक्त रूप से याचिका दायर की गई है । उन्होंने वर्तमान कार्यवाहियों के लिए अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराई है । मूल जांच में हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष याचिका दायर की थी ।

11. गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. ने 5500 मी.टन की संस्थापित क्षमता के साथ पी टी एफ ई के उत्पादन हेतु एक नए संयंत्र की स्थापना की थी, जिसने दिसंबर, 2007 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया था । प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. एवं हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बनस लि. के उत्पादन का हिस्सा 100% है ।

12. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र तथा उससे संबंधित मुद्दों की जांच की है । प्राधिकारी मानते हैं कि प्रत्येक जांच में घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र का निर्धारण किया जाना अपेक्षित है । मध्यावधिक समीक्षा जांच के दौरान घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हुआ था । वर्तमान जांच में दो घरेलू उत्पादक अर्थात् हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. तथा गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. घरेलू उद्योग हैं । प्राधिकारी ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लि. तथा गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लि. को घरेलू उद्योग माना है ।

गोपनीयता

13. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता संबंधी दावों की जांच की है । कानूनी प्रावधानों पर विचार करते हुए तथा गोपनीयता संबंधी दावों के विषय में संतुष्ट होने पर इसकी अनुमति दी गई है ।

निवेदन तथा उठाए गए मुद्दे

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है -

डुपोन्ट (चांगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कंपनी लि., चीन जन.गण.

15. इसके अलावा, मेरठ पी टी एफ ई प्रोडक्ट्स प्रा.लि. टोंक एंड एसोसिएट्स (प्रा.) लि. गाजियाबाद, फ्लोपोल इंसुलेशनस प्रा.लि., टेफकॉट केबल कं., ट्रेस्टार इलेक्ट्रॉनिक्स, टी एंड एफ इंसुलेशनस प्रा.लि., ई आई ड्यूपोट इंडिया (प्रा.) लि. जैसे आयातक/उपयोक्ताओं ने भी उत्तर प्रस्तुत किया है । तथापि, ई आई ड्यूपोट इंडिया ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है ।

16. इन जांच परिणामों में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त मतों की समुचित रूप से जांच की गई है ।

ड पाटन मार्जिन का निर्धारण

बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावे

17. प्राधिकारी ने चीन के उत्पादकों/निर्यातकों को जांच शुरू करने के संबंध में जारी किए गए नोटिस पर अपनी प्रतिक्रिया देने तथा उनके बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का निर्धारण करने के लिए संगत सूचना उपलब्ध कराने की सलाह दी है । प्राधिकारी ने नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में निर्धारित मानदंडों के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के पूर्वानुमान का खंडन करने के लिए सभी ज्ञात निर्यातकों को एम ई टी प्रश्नावली की प्रतियां भेजी हैं । प्राधिकारी ने चीन जन.गण. की सरकार से भी अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को सूचना उपलब्ध कराने की सलाह देने का अनुरोध किया है ।

18. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य

उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- (i) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- (ii) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर संपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- (iii) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (iv) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

19. घरेलू उद्योग ने पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में निम्नलिखित तथ्य प्रस्तुत किए हैं:

- i. ड्यूपोट ने भारतीय बाजार में अत्यधिक पाटन किया है । ऐसी प्रतीत होता है कि ड्यूपोट ने जांच की अवधि के दौरान किसी समय पर किसी नए स्वरूप में उत्पादन शुरू किया है ।
- ii. ड्यूपोट, शंघाई 3 एफ, जो राज्य के स्वामित्व वाली नियंत्रणाधीन एक कंपनी है के साथ उत्पादन कार्य कर रहा है । उन्हें कुछ समय से वित्तीय घाटा उठाना पड़ रहा है ।
- iii. चीन से प्राप्त आयात कीमत विश्वास योग्य नहीं है । भारतीय आंकड़ों की तुलना चीन के आंकड़ों से किए जाने पर यह देखा जा सकता है कि भले ही आयात मात्राएं

लगभग समान हैं परंतु मूल्यों में अत्यधिक अंतर है । इस बात को समझते हुए भी कि उनमें से एक मूल्य एफ ओ बी तथा दूसरा सी आई एफ है, दोनों के बीच में अत्यधिक अंतर है ।

- iv. सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु भारत को सहोदर देश माना जाना चाहिए ।
- v. निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की तुलना से यह प्रदर्शित होगा कि वर्तमान मामलों में पाटन मार्जिन, पूर्व में निर्धारित पाटन मार्जिन से वास्तविक रूप में उच्च है जिससे पाटनरोधी शुल्क को बढ़ाने की आवश्यकता अनिवार्य हो जाती है ।
- vi. ड्यूपोंट को किसी भी प्रकार का वैयक्तिक शुल्क नहीं दिया जाना चाहिए ।

मै. ड्यूपोंट द्वारा निवेदन (चांगशु)

- i. ड्यूपोंट ने एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और न ही बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे का दावा किया है । वास्तव में कंपनी-प्राधिकारी को कीमत वचनबद्धता के संबंध में पेशकश करने के लिए तैयार है क्योंकि वह किसी प्रकार के पाटन में लिप्त नहीं है ।
- ii. चीन के सीमाशुल्क आंकड़ों में निर्यात कीमत तथा डी जी सी आई एंडएस से प्राप्त आयात मात्रा के आंकड़े समुचित नहीं हैं ।
- iii. ड्यूपोंट को एक वैयक्तिक शुल्क की दर दी जानी चाहिए जैसा कि मध्यावधिक समीक्षा में किया गया था ।
- iv. लागत संबंधी सूचना उपलब्ध न कराने के कारण ड्यूपोंट को असहयोगी करार नहीं दिया जा सकता है क्योंकि कंपनी ने एम ई टी दावा प्रस्तुत नहीं किया है ।
- v. भारत को सहोदर देश नहीं माना गया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ड्यूपोंट (चांगशु) ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा प्रस्तुत नहीं किया है । किसी भी अन्य चीनी निर्यातक/उत्पादक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर अथवा एम ई टी के संबंध में उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है । घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि चीन के उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था परिवेश में प्रचालन करने वाला माना जाना चाहिए था । इस संबंध में चीनी उत्पादकों/निर्यातकों से सहयोग के अभाव में प्राधिकारी चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों/निर्यातकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करते हैं । जहां तक ड्यूपोंट (चांगशु) की कीमत वचनबद्धता संबंधी पेशकश का संबंध है,

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्त कंपनी न न तो एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और न ही एम ई टी दर्जे का दावा किया है । इसके परिणामस्वरूप उनके सामान्य मूल्य तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु अपेक्षित उत्पादन आंकड़े रिकॉर्ड में उपलब्ध नहीं हैं । इन परिस्थितियों में कीमत वचनबद्धता की प्रभावी ढंग से निगरानी में व्यवहारिक समस्याएं आने की संभावना है । अतः मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों को देखते हुए ड्यूपोंट (चांगशू) द्वारा कीमत वचनबद्धता की पेशकश को स्वीकार नहीं किया गया है ।

ड.1 चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

21. चूंकि चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने एम ई टी निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है अतः प्राधिकारी प्रस्तावित निर्धारण के प्रयोजनार्थ ड्यूपोंट अथवा सामान्य रूप से चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने में समर्थ नहीं है । अतः प्राधिकारी ने नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है । पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा-7 में निम्नानुसार प्रावधान है :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

22. ऊपर यथा उल्लिखित पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देशों में लागतों अथवा कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाना अपेक्षित है । इस संबंध में यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में विचाराधीन उत्पाद की लागत अथवा कीमत के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है । घरेलू उद्योग ने उन देशों के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है जहां विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन किया जाता है और यह कहा है कि ड्यूपोंट के पास

चीन से बाहर कई स्थानों में उत्पादन सुविधाएं मौजूद हैं । अतः वह बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में उत्पादन लागत अथवा कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य संबंधी सूचना उपलब्ध कराने में समर्थ रहा है । प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि ड्यूपोट (चांगशू) विचाराधीन उत्पाद की लागत अथवा कीमत के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध कराई है । बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से भारत को भेजे जाने वाले विचाराधीन उत्पाद की कीमत को भी अपनाया नहीं जा सका क्योंकि यह स्थापित नहीं हो सका कि वे व्यापार के सामान्य क्रम में भेजे गए थे । मध्यावधि समीक्षा जांच के समय प्राधिकारी ने "किसी अन्य समुचित आधार" पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया था । इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर चीन जन.गण. के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है । सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत तथा खपत मानदंडों, इष्टतम क्षमता उपयोग हेतु विधिवत समायोजित परिवर्तन लागत तथा कार्यक्षम घरेलू उत्पादक के एस जी ए व्ययों के आधार पर 5% के समुचित लाभ मार्जिन को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर किया गया है । इस प्रकार परिकलित सामान्य मूल्य *** अम.डॉ./किग्रा. बनता है ।

ड.2 मै. ड्यूपोट के मामले में निर्यात कीमत

23. निर्यात कीमत का निर्धारण ड्यूपोट (चांगशू) द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर जांच अवधि के दौरान निर्यातित वस्तुओं की भारतित औसत कीमत पर विचार करके किया गया है । निर्यातक द्वारा किए गए दावे के अनुसार प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, पत्तन प्रभारों, वैट के अप्रत्यर्पणीय भाग तथा बैंक प्रभारों में कीमत समायोजन की अनुमति दी है । उक्त समायोजनों के पश्चात ड्यूपोट (चांगशू) के संबंध में निर्धारित निवल निर्यात कीमत *** अम.डॉ./किग्रा. बनता है ।

ड.3 चीन जन.गण. के अन्य निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत:

24. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने निर्यात कीमत का विवरण देते हुए निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है । अतः प्राधिकारी ने प्रश्नावली के उत्तर में यथासूचित जांच अवधि के दौरान भारत को ड्यूपोट (चांगशू) की प्रतिनिधिक कम कीमत के आधार पर चीन जन.गण. के शेष उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है । प्राधिकारी ने ड्यूपोट (चांगशू) के दावे के अनुसार अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, पत्तन प्रभारों, वैट के अप्रत्यर्पणीय भाग तथा बैंक प्रभारों में समायोजन किया है । अतः चीन जन.गण. के सभी अन्य निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत *** अम.डॉ./किग्रा. निर्धारित की गई है ।

ड.4. पाटन मार्जिन

25. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्यों एवं निर्यात कीमतों की कारखाना द्वार स्तर पर तुलना करके संबद्ध देश के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है :-

विवरण	ड्यूपोट (चोंगशू)	चीन के अन्य उत्पादक/निर्यातक
सामान्य मूल्य	***	***
निवल निर्यात कीमत	***	***
पाटन मार्जिन \$	***	***
पाटन मार्जिन % रेंज	40-50	80-90

अम.डॉ./किग्रा.

च. क्षति निर्धारण

घरेलू उद्योग के विचार

26. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि चीन से संबद्ध वस्तुओं के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जैसा कि निम्नलिखित तथ्यों से स्पष्ट है:

- क्षति अवधि के दौरान मांग में वृद्धि हुई है ।
- पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के बावजूद आयातों में वृद्धि हुई है ।
- घरेलू उद्योग के हिस्से में इस सीमा तक वृद्धि नहीं हुई है कि उसके उत्पादन के लिए देश में नई सुविधाओं की स्थापना की जाए ।
- बाजार में संबद्ध वस्तुओं की अत्यधिक मांग के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का उपयोग करने में समर्थ नहीं है ।
- शुल्क के लागू रहने के बावजूद चीन जन.गण. से आयात की मात्रा उच्च एवं अत्यधिक है । पूरी क्षति अवधि के दौरान मांग में हिस्सा उच्च स्तर पर बना हुआ है । इसके कारण घरेलू उद्योग अपने बाजार हिस्से को उस सीमा तक बढ़ाने में असमर्थ रहा है जितना कि वह संबद्ध देश से आयातों की अनुपस्थिति में कर सकता था ।
- घरेलू उद्योग को लाभ, नकद लाभ एवं निवेश पर आय के संदर्भ में क्षति हुई है । क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता का हास हुआ है और अब तक नकारात्मक बनी हुई है ।
- क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन, घरेलू बिक्री, बाजार हिस्से एवं उत्पादकता में गिरावट आई है । तथापि देश में उत्पाद के पाटन की अनुपस्थिति में घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री तथा बाजार हिस्से का स्तर और अधिक उच्च होता ।

viii. क्षति अवधि के दौरान वस्तु सूची स्तर में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

निर्यातकों, आयातकों एवं उपयोक्ताओं के विचार

27. विभिन्न निर्यातकों, आयातकों एवं उपयोक्ताओं द्वारा निम्नलिखित तर्क दिए गए हैं :-

- i. घरेलू उद्योग को निरंतर वास्तविक क्षति नहीं हुई है ।
- ii. घरेलू उद्योग को अन्य बातों के साथ-साथ अतिशेष क्षमता, घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, उत्पाद की उच्च लागत के कारण क्षति हुई है ।
- iii. क्षमता, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, बिक्री कीमत, लाभप्रदता में सकारात्मक वृद्धि देखी गई है ।
- iv. घरेलू उद्योग वस्तुओं की बिक्री संदर्भ कीमत से कम कीमत पर कर रहा है और इसका समुचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है ।
- v. पॉलीटेट्राफ्लोरोएथिलीन की लागत निर्धारण में आर-22 के अंतरण कीमत निर्धारण पर विचार नहीं किया जा सकता है और यह लागत से अधिक या कम हो सकता है ।
- vi. क्षति और क्षति रहित कीमत के निर्धारण में जांच अवधि के दौरान उपयोग न किए गए संयंत्र एवं मशीनरी को नियोजित पूंजी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए ।
- vii. जहां तक क्षति के जारी रहने की संभावना का संबंध है, घरेलू उद्योग ने कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है ।

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात दी गई टिप्पणियां :-

28. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात निम्नलिखित निवेदन किए गए हैं :-

क. कीमत वचनबद्धता का प्रस्ताव करने वाली कम्पनी द्वारा एमईटी प्रश्नावली का उत्तर भी प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं है तथा इस कारण से कीमत वचनबद्धता के प्रस्ताव को अस्वीकार करना पूर्णतः अतार्किक है ।

ख. प्राधिकारी ने कीमत वचनबद्धता संबंधी रूपरेखाओं का निर्धारण करने के लिए कीमत वचनबद्धता के मुद्दे पर किसी प्रकार की सुनवाई हेतु स्वीकृति नहीं दी है और न ही कीमत वचनबद्धता की अपनी पेशकश की स्वीकृति हेतु निर्यातक को अपना पक्ष स्पष्ट रूप से रखने के लिए कोई अवसर प्रदान किया है।

ग. कीमत वचनबद्धता को स्वीकार अथवा अस्वीकार करना किसी भी पाटनरोधी जांच में एक महत्वपूर्ण चरण है और इस संबंध में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पूर्व सुनवाई एवं उससे संबंधित विचार-विमर्श जैसी यथोचित प्रक्रिया अपनाए जाने की आवश्यकता होती है।

घ. पाटनरोधी नियम 1995 के नियम 15 के तहत कीमत वचनबद्धता पर विचार-विमर्श, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है तथा वैध मानी गई वचनबद्धता को नकारा नहीं जा सकता है।

ड. वर्तमान मामले में, कीमत वचनबद्धता के प्रस्ताव को किसी तर्कपूर्ण कारण दिए बिना अस्वीकार कर दिया गया है। अतः प्राधिकारी से अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया गया है।

च. चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नायलॉन टायर कॉर्ड फैब्रिक (एनटीसीएफ) के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच के मामले में यद्यपि संबंधित निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया गया है तथापि प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तावित कीमत वचनबद्धता को स्वीकार किया है।

छ. चीन से आयातों के हिस्से में गिरावट के साथ-साथ घरेलू उत्पादकों के हिस्से में 294 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि से यह स्पष्ट हो जाता है कि पाटन का कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। प्रकटन विवरण में घरेलू उद्योग पर आयात की मात्रा एवं कीमत संबंधी प्रभाव के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया है। प्रतिकूल मात्रा एवं कीमत प्रभाव के अभाव में यह निवेदन किया गया है कि जांच को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया जाए।

ज. आगे यह निवेदन किया गया है कि जीएफएल की वर्ष 2009-10 की वार्षिक रिपोर्ट में गत दो वर्षों के दौरान उत्पादन, आबद्ध क्षमता एवं बिक्री के स्तर में सुधार दर्ज किया गया है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि व्यापार के लिए क्षति के खतरे के

महत्वपूर्ण कारक उपलब्धता तथा ऊर्जा की लागत (अत्यंत महत्वपूर्ण निविष्टियों में से एक) एवं निर्यातक बाजारों में कड़े गुणवत्ता मानदण्डों का पूरा करने की कम्पनी की क्षमता है।

झ. घरेलू उद्योग द्वारा सूचित हानियों को निविष्टियों की लागत में वृद्धि तथा रूस एवं अन्य देशों से आयातों में वृद्धि की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए।

ज. लगभग 2500 मी. टन प्रति वर्ष के बाजार आकार के लिए 6000 मी. टन की क्षमता वाले संयंत्र की स्थापना करना अपेक्षित नहीं था। इस बेशी क्षमता के परिणामस्वरूप उत्पादन की प्रति इकाई लागत में अत्यधिक वृद्धि हो रही है।

ट. किसी भी विदेशी उत्पादक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ पूर्ण सहयोग नहीं किया है। प्रश्नावली के उत्तर अपूर्ण होने के कारण निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के साथ कार्यवाही को आगे बढ़ाना पूर्णतः उचित है।

ठ. यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने ड्यूपोंट द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत को स्वीकार किया है। याचिकाकर्ता का मानना है कि प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती मध्यावधि समीक्षा में भी निर्यात कीमत को स्वीकार किया था। तथापि, याचिकाकर्ता यह इंगित करना चाहते हैं कि ड्यूपोंट की पुनर्बिक्री कीमत उस कीमत से काफी कम है जिसे डीजीसीआई एंड एस कीमतों के आधार पर परिकलित किया जाता। निर्यातक द्वारा दावा की गई कीमत को स्वीकार किए जाने से पूर्व उसका मिलान चीनी सीमा-शुल्क कीमत से किया जाएगा। डीजीसीआई एंड एस कीमत के अविश्वसनीय होने के कारण यह और अधिक प्रासंगिक एवं आवश्यक है।

ड. जब डीजीसीआई एंड एस एवं चीनी सीमाशुल्क द्वारा सूचित मात्रा तुलनीय है, तो भी डीजीसीआई एंड एस एवं चीनी सीमाशुल्क की कीमतों में अत्यधिक अंतर है। यद्यपि इस बात को ध्यान में रखा गया है कि डीजीसीआई एंड एस द्वारा सीआईएफ कीमतों की सूचना दी जाती है और चीनी सीमाशुल्क द्वारा एफओबी कीमत की तथा प्रेषण एवं पहुंचने की तारीखों में अंतर के कारण मात्रा में कुछ अंतर हो सकता है, फिर भी डीजीसीआई एंड एस एवं चीनी सीमाशुल्क की कीमतों में अंतर समुद्री भाड़ा आदि के कारण हो सकने वाले अंतर से बहुत अधिक है।

६. याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि केवल निर्धारित राशि आधार पर ही पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। इस संबंध में निम्नलिखित तथ्य प्रासंगिक हैं।

- i. संबद्ध वस्तु पर अधिरोपित पूर्व पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश निर्धारित राशि के रूप में की गई थी।
- ii. पाटनरोधी शुल्क के रूप में परिवर्तन के लिए किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार से कोई तर्क या अभ्यावेदन भी प्राप्त नहीं हुआ है।
- iii. मध्यावधि समीक्षा का अनुरोध करने का एक बुनियादी प्रयोजन शुल्क के रूप में परिवर्तन करवाना था क्योंकि ऐसी कीमत पर आयातों की सूचना दी जा रही है जो वास्तविक आयात कीमत से बहुत अधिक है (जैसाकि चीनी सीमाशुल्क आँकड़ों से प्रदर्शित होता है)।

ण. घरेलू उद्योग को उत्पादन की उच्च लागत, पुरानी प्रौद्योगिकी, कम क्षमता उपयोग और संयंत्र की क्षमता की तुलना में कम निर्यात जैसे अन्य कारकों के कारण क्षति हुई थी।

त. जीएफएल पीटीएफई के ग्रैन्युलर से इतर ग्रेडों के उत्पादन में सक्षम नहीं है। अतः ऐसे ग्रेडों पर पाटनरोधी शुल्क जारी नहीं रखा जाना चाहिए जिनका उत्पादन जीएफएल नहीं कर सकता है।

थ. प्रकटन वितरण गलत आयात आँकड़ों पर आधारित है क्योंकि उनका विश्लेषण भी ठीक से नहीं किया गया है।

द. प्रकटन विवरण में पीटीपीटीएफई के पीयूसी का एक हिस्सा होने अथवा अन्यथा के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया है। कच्ची सामग्री और मूल्यवर्धित तैयार उत्पाद को समान उत्पाद नहीं माना जा सकता है और क्षति विश्लेषण हेतु उन पर एक साथ विचार नहीं किया जा सकता है। पीटीएफई तथा पीटीपीटीएफई दो भिन्न उत्पाद हैं।

ध. पाटनरोधी शुल्क, यदि कोई हो, का अधिरोपण संदर्भ कीमत आधार पर किया जाए क्योंकि हाल के वर्षों में पीटीएफई की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

न. आर-22 की अंतरण कीमत निकटवर्ती कीमत होनी चाहिए।

प. संबद्ध देशों की मुक्त रूप से निपटान योग्य क्षमताओं के संबंध में यह निवेदन किया गया है कि मौजूदा जाँच और मध्यावधि समीक्षा जाँच अलग-अलग जाँच हैं; इसलिए मध्यावधि समीक्षा में साक्ष्य को स्वीकार कर लिए जाने पर वर्तमान मामले में विश्वास नहीं किया जा सकता है।

फ. कार्बन क्रेडिट्स से आय का आर-22 की लागत में समायोजन किया जाना चाहिए।

ब. घरेलू उद्योग का यह दावा कि कथित पाटन के कारण वह घरेलू बाजार में बिक्री नहीं कर पा रहा है, उन समाचार रिपोर्टों के आलोक में गलत है जिनमें यह कहा गया है कि मै0 जीएफएल ने अपने संयंत्र की स्थापना मुख्य रूप से निर्यात के प्रयोजन से की है।

भ. भारत तथा तीसरे देशों को चीन जन.गण. की निर्यात कीमत घरेलू बिक्री कीमत से बहुत अधिक है जिसका परिणाम नकारात्मक कीमत कटौती के रूप में हुआ है। अतः आकर्षक कीमत का तर्क स्वतः समाप्त हो जाता है। अतः शुल्क की समाप्ति की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना नहीं है।

म. चीन जन.गण. की भारत औसत निर्यात कीमत की तुलना विश्व के विभिन्न देशों की कीमत से किए जाने पर विकृत परिणाम मिलेंगे क्योंकि पीटीएफई ग्रेडों की कीमतों में अत्यधिक अंतर होता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

29. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई खति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के विचारों की जांच की है। यह नोट किया जाता है कि:

- i. जहां तक कीमत कथित अत्यधिक क्षमता का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कथित अत्यधिक क्षमताओं के बावजूद पाटित कीमतों पर आयात किए जाने की सूचना प्राप्त हो रही है। घरेलू उद्योग का दावा था कि वह इस उत्पाद के निरंतर पाटन के कारण भारतीय बाजार की मांग को पूरा करने में असमर्थ है।
- ii. जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा बसतुओं की बिक्री संदर्भ कीमत से कम कीमत पर किए जाने और कोई उचित स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किए जाने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के सीमाशुल्क विभाग द्वारा

सूचित निर्यात कीमत भारत के सीमाशुल्क विभाग द्वारा सूचित कीमत की तुलना में बहुत कम है । इसके अलावा, वस्तुओं का आयात संबद्ध पार्टियों द्वारा भी किया जा रहा है और इसलिए ऐसी वस्तुओं की पुनः बिक्री कीमत भी महत्वपूर्ण हो जाती है । चीन के निर्यातकों ने भी यह सिद्ध नहीं किया है कि जिस कीमत पर घरेलू उद्योग द्वारा वस्तुओं की बिक्री की जा रही है, उनका निर्यात वास्तव में उससे उच्चतर कीमतों पर किया जा रहा है ।

iii. जहां तक आर-22 की अंतरण कीमत निर्धारण का संबंध है, प्राधिकारी ने जी ए ए पी के आधार पर और कंपनियों द्वारा रखे गए रिकार्ड के आधार पर आर-22 की कीमत पर विचार किया था ।

iv. जहां तक इस मुद्दे का संबंध है कि जांच की अवधि के दौरान प्रयुक्त न की गई संयंत्र और मशीनरी को क्षति और क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु नियोजित पूंजी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी ने आंकड़ों का सत्यापन किया है और कंपनियों द्वारा रखे गए वित्तीय रिकार्ड के आधार पर ही इन्हें अपनाया है जो सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप हैं । इसके अलावा, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर किया है ।

v. जहां तक ड्यूपोट (चांगशू) के कीमत अभिवचन को अस्वीकार करने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

क. पाटनरोधी नियमावली के नियम 15 में निर्दिष्ट प्राधिकारी को किसी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत कीमत अभिवचन को स्वीकार करने अथवा स्वीकार न करने का विवेकाधिकार प्रदान किया गया है, यदि उनका अभिमत है कि ऐसे अभिवचन को किसी भी कारण से स्वीकार करना अव्यवहारिक अथवा अस्वीकारणीय है । वर्तमान जांच में निर्यातक ने अपनी निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में सामान्य मूल्य एवं उत्पादन लागत से संबंधित सूचना प्रस्तुत नहीं की थी, जो कीमत अभिवचन की प्रभावी निगरानी के लिए अपेक्षित है, विशेष रूप से जब निर्दिष्ट प्राधिकारी को कीमत अभिवचन के उल्लंघन के मामले में नियम 15 के अंतर्गत ऐसे उल्लंघन के बारे में केन्द्रीय सरकार को सूचित करने और ऐसे उल्लंघन की तारीख से अनंतिम शुल्क के अधिरोपण की संस्तुति करने हेतु अधिदेशित किया गया है ।

ख. बहरहाल, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामला नियम 23 के अंतर्गत शासित निर्णायक समीक्षा के स्वरूप का है । पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अनुसार समीक्षा के मामले में नियम 15 के प्रावधान लागू नहीं होते हैं ।

vi. वर्तमान जांच परिणाम में भी पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव की विधिवत जांच प्रकटीकरण विवरण के पैरा 33 से 38 में की गई है ।

vii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार जांच अवधि के दौरान 3 अन्य देशों अर्थात् रूस, अमेरिका तथा नीदरलैंड से अत्यधिक आयात किए गए हैं। तथापि, अमेरिका तथा नीदरलैंड की आयात कीमत चीन जन. गण. की आयात कीमत की तुलना में काफी अधिक है। रूस से किए जा रहे आयातों पर पाटनरोधी शुल्क पहले से ही लागू है।

viii. प्राधिकारी का विचार है कि नई क्षमता का सृजन केवल बाजार के वर्तमान आकार पर ही आधारित नहीं है बल्कि अन्य बातों के साथ भावी अनुमानों पर भी आधारित है। इसके अलावा प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की गणना में क्षमता संबंधी कारक का भी विधिवत समायोजन किया है और इस प्रकार पाटन मार्जिन के निर्धारण में भी यही किया गया है।

ix. वर्तमान जांच परिणाम में चीन के सीमाशुल्क विभाग के आंकड़ों की तुलना में डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों से संबंधित मुद्दे की विधिवत जांच की गई है।

x. जहां तक कम क्षमता उपयोग के कारण उच्चतर उत्पादन लागत का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली में संशोधन के साथ क्षति की अवधि के दौरान अनुकूलतम क्षमता उपयोग के आधार पर क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया गया है जिसमें कम क्षमता उपयोग का भी ध्यान रखा गया है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की संरचना एवं इसी प्रकार पाटन मार्जिन के निर्धारण में क्षमता संबंधी कारक का भी विधिवत समायोजन किया है।

xi. वर्तमान जांच प्राधिकारी द्वारा मूल जांच में संस्तुत सिफारिश के आधार पर पी टी एफ ई के आयातों पर पहले से ही लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि न तो मूल जांच में और न ही मध्यावधि समीक्षा में, जिसके अंतिम जांच परिणाम दिनांक 26 फरवरी, 2010 को जारी किए गए थे, में संबद्ध वस्तुओं में ग्रेडवार भेद किया गया है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस संबंध में उठाए गए मुद्दों की जांच की है और वह नोट करते हैं कि जब तक इस उत्पाद की कोई ग्रेड घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं के समान वस्तु है, तब तक उसे विचाराधीन उपाद के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता। वर्तमान जांच में मै. जी.एफ.एल तथा मै. एच.एफ.एल दोनों ही घरेलू उद्योग हैं और यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद के समान उत्पाद का विनिर्माण करता है।

xii. जहां तक निर्यात आंकड़ों के आधार का संबंध है, उल्लेख किया जाता है कि प्राधिकारी ने मात्रा तथा कीमत दोनों के संबंध में डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर विश्वास किया है।

- xiii.** यह नोट किया जाता है कि पी टी एफ ई तथा पी टी पी टी एफ ई के बीच जो अंतर है, वह पी टी एफ ई को उच्चतर माइक्रॉन से कम माइक्रॉन में अर्थात् पी टी पी टी एफ ई में बनाने का है । इसके कारण वह असमान वस्तुएं नहीं हो जाती ।
- xiv.** जहां तक शुल्क के स्वरूप का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मूल पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा में प्राधिकारी ने शुल्क के स्वरूप को संदर्भ कीमत से बदलकर स्थायी रूप में कर दिया था । वर्तमान जांच में यह नोट किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात पाटित कीमतों पर किया जाता रहा है और पाटन मार्जिन अत्यधिक है । इससे शुल्क के स्थायी रूप की आवश्यकता सिद्ध होती है ।
- xv.** प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर विधिवत विचार करने के बाद आर-22 की अंतरण कीमत को अपनाया है ।
- xvi.** संभावना के विश्लेषण में प्राधिकारी ने न केवल मध्यावधि समीक्षा जांच परिणाम में उल्लिखित संबद्ध देशों के पास मुक्त रूप से उपलब्ध उत्पादन क्षमताओं पर विश्वास किया है, बल्कि वर्ल्ड ट्रेड एटलस स्रोत पर भी विश्वास किया है और यह निष्कर्ष निकाला है कि संबद्ध देश ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यात की कीमत की तुलना में कम कीमत पर अमेरिका, जर्मनी, ब्राजील तथा इटली जैसे तीसरे देशों को अत्यधिक मात्रा में निर्यात किया है, जिसे शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में भारत को किया जाता ।
- xvii.** प्राधिकारी नोट करते हैं कि कार्बन क्रेडिट आर-23 से प्राप्त होता है, जो संबद्ध वस्तुओं के लिए कच्चा माल नहीं है । जहां तक आर-22 की लागत में कार्बन क्रेडिट से अर्जित आय के समायोजन का संबंध है, प्राधिकारी ने इसे अपवादात्मक/गैर आवर्ती स्वरूप की आय के रूप में माना है ।

30. नियम II में प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में उन कारकों की जांच करना शामिल है, जिनमें "... पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर उनका प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव को ध्यान में रखना ..." शामिल है । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना जरूरी समझा जाता है कि क्या पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक मंदी लाना या कीमत वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा अत्यधिक सीमा तक हुई होती ।

31. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच हेतु उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसरण में उद्योग जगत की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों जैसे

उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की सीमा और मार्जिन आदि पर विचार किया गया है ।

32. वर्तमान जांच वर्तमान में लागू पाटनरोधी शुल्कों की एक निर्णायक समीक्षा जांच है । नियम 23 में प्रावधान है कि समीक्षा के मामले में नियम 11 के प्रावधान की आवश्यक संशोधनों सहित लागू होंगे । अतः प्राधिकारी ने अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के प्रावधानों पर आवश्यक संशोधनों सहित विचार करते हुए घरेलू उद्योग की क्षति का निर्धारण किया है इसके अलावा, चूंकि विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क अभी लागू है, अतः प्राधिकारी का विचार है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय चीन जन.गण. से उत्पाद के आयात पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों के तथ्य पर विचार करना अपेक्षित है ।

33. मूल जांच के समय भारत में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन केवल हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा था । गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड ने उत्पादन की शुरुआत मूल जांच के बाद की थी । गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड और हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लिमिटेड दोनों ने वर्तमान जांच में भाग लिया है और वर्तमान निर्धारण हेतु संबंधित सूचना उपलब्ध कराई है । दोनों कंपनियों को मध्यावधिक समीक्षा जांच के दौरान घरेलू उद्योग माना गया था । प्राधिकारी ने गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर विचार करके घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण किया है ।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव : आयातों की मात्रा और बाजार हिस्सा

34. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी द्वारा विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में निरपेक्ष रूप से अथवा भारत में खपत की तुलना में वृद्धि हुई है ।

35. देश में इस उत्पाद की मांग का आकलन घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से किए गए आयातों के मांग के रूप में किया गया है ।

कुल आयातों और भारत में मांग में संबद्ध देश के हिस्से का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि
चीन जन.गण. से किए गए आयात	मी. ट.	778	1,153	991	918
तीसरे देशों से किए गए आयात	मी. ट.	950	1,012	1,021	992
कुल आयात	मी. ट.	1,728	2,165	2,013	1,910

आयातों में संबद्ध देश का हिस्सा	%	45.01	53.27	49.23	48.06
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. ट.	269	184	560	854
भारत में मांग	मी. ट.	1,996	2,349	2,573	2,765
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	13.48	7.83	21.76	30.89
चीन	%	38.98	49.08	38.52	33.21
तीसरे देश	%	48	43.09	39.72	35.90

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- इस तथ्य के बावजूद कि चीन से किए जाने वाले आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। समग्र आधार पर वर्ष 2006-07 से जांच अवधि तक आयातों में 18% की वृद्धि देखी गई है, जो अत्यधिक है, जबकि इस उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लागू है।
- भारत में पी टी एफ ई की मांग में चीन का हिस्सा जांच अवधि के दौरान 32% था। यद्यपि क्षति अवधि के दौरान चीन के बाजार हिस्से में गिरावट आई थी तथापि, विशेष रूप से इस बात के मद्देनजर कि पाटनरोधी शुल्क लागू है, यह अत्यधिक है।

आयातों का कीमत प्रभाव

37. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक मंदी लाना या कीमत वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा अत्यधिक सीमा तक हुई होती। इस उत्पाद के संबंध में आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत का निर्धारण व्यापार के समान स्तर पर सभी छूटों और करों को छोड़कर किया गया।

38. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि भारत के सीमाशुल्क विभाग के आंकड़ों में सूचित निर्यात कीमत चीन के सीमाशुल्क विभाग के आंकड़ों में सूचित कीमत की तुलना में बहुत अधिक है। यह देखा गया है कि डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित और चीन के

सीमाशुल्क विभाग द्वारा सूचित कीमत में अत्यधिक अंतर है। निम्नलिखित तालिका में इसे दर्शाया गया है।

विवरण	इकाई	चीन का सीमाशुल्क विभाग	डी जी सी आई एंड एस
मात्रा	मी.ट	1,014	918
मूल्य	लाख रुपए	2,894.08	3,087.62
दर	रु./किग्रा.	285.45	336.28

तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के सीमाशुल्क विभाग के आंकड़ों (वर्ल्ड ट्रेड एटलस) में चीन जन.गण. से प्रेषित संबद्ध वस्तुओं की मात्रा सूचित की गई है जबकि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों में भारत में वास्तविक रूप से पहुंची संबद्ध वस्तुओं की मात्रा दी गई है। अतः प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों (मात्रा तथा मूल्य दोनों) पर विचार किया है। इस प्रकार संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से की गई है, जो निम्नानुसार है। तुलना से ज्ञात होता है कि चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों का कीमत कटौती प्रभाव नकारात्मक है।

विवरण	इकाई	जांच अवधि
आयातों की पहुंच कीमत	रु. किग्रा.	***
निवल बिक्री प्राप्ति	रु. किग्रा.	***
कीमत कटौती राशि	रु. किग्रा.	नकारात्मक
कीमत कटौती	%	नकारात्मक

39. प्राधिकारी ने ग्रह भी नोट किया है कि संबद्ध देशों से हुए संबद्ध आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और क्षति रहित कीमत से बहुत कम है और इस प्रकार कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव उल्लेखनीय है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है।

विवरण	इकाई	ड्यू पॉन्ट	अन्य असहयोगी निर्यातक
आयातों की पहुंच कीमत	रू./ किग्रा.	***	***
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत (एन आई पी)	रू./ किग्रा.	***	***
घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत	रू./ किग्रा.	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रू./ किग्रा.	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	70 -80	120 - 130

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

40. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में अपेक्षा की गई है कि क्षति के निर्धारण में घरेलू उत्पादकों और ऐसे उत्पादों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच की जानी अपेक्षित है। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमावली में यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संबंधित आर्थिक कारकों एवं सूचकों की वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष जांच की जानी शामिल है जिनमें, बिक्री, लाभ, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश हुई आय अथवा क्षमता उपयोग में गिरावट; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक; पाटन मार्जिन की सीमा; नकद प्रवाह, मालसूचियों, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित प्रभाव शामिल है। घरेलू उद्योग के कार्य निष्पान की जांच से ज्ञात होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। तथापि चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन आवश्यक संशोधनों के आधार पर किया जाना अपेक्षित है। घरेलू उद्योग से जुड़े क्षति संबंधी विभिन्न मानदंडों का विवेचन निम्नानुसार है।

उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग:

41. घरेलू उत्पादन की मात्रा और घरेलू उद्योग के घरेलू प्रचालनों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू बिक्री के आधार पर की गई है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
संस्थापित क्षमता	मी. ट.	500	2,333	6,000	6,000
उत्पादन	मी. ट.	245	826	1,657	2,050

क्षमता उपयोग	% -	49.00	35.38	27.61	34.17
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. ट.	269	184	559	854

42. यह नोट किया गया है कि:

i. वर्ष 2007-08 में मेसर्स जी एफ एल द्वारा विचाराधीन उत्पाद की क्षमता का विस्तार किया गया था जो कंपनी द्वारा नई क्षमता की स्थापना के कारण हुआ था। वर्ष 2006-07 में मेसर्स जी एफ एल के पास क्षमता उपलब्ध थी। अतः जांच अवधि के दौरान के क्षमता उपयोग की तुलना वर्ष 2007-08 के क्षमता उपयोग से की गई है और इसमें मामूली गिरावट आई प्रतीत होती है। शुल्क लागू होने के बावजूद इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई थी।

ii. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई जो देश में नई क्षमता उत्पादन की शुरुआत का द्योतक है।

iii. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई।

बाजार हिस्सा:

43. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है:

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
चीन जन.गण. से हुए आयात	MT	778	1,153	991	918
अन्य देशों से हुए आयात	MT	950	1,012	1,021	992
घरेलू उद्योग की बिक्री	MT	269	184	559	854
भारत में कुल मांग	MT	1,996	2,349	2,571	2,764
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	13.46	7.84	21.78	30.90

चीन जन.गण. का हिस्सा	%	38.95	49.09	38.52	33.21
अन्य देशों का हिस्सा	%	47.59	43.07	39.70	35.89
कुल	%	100	100	100	100

यह नोट किया गया है कि :-

- वर्ष 2007-08 के साथ-साथ आधार वर्ष की तुलना में जाच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि प्रदर्शित हुई है। यह वर्ष 2007-08 में नई क्षमता में वृद्धि के कारण हुआ है।
- मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों के बावजूद चीन के बाजार हिस्से में लगातार वृद्धि हुई है।

लाभ/हानि, नकद प्रवाह और निवेश पर आय

44. प्राधिकारी ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से घरेलू उद्योग द्वारा निवेशों पर अर्जित आय एवं लाभ, नकदी प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति का निर्धारण किया है। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयातों के मद्देनजर उपर्युक्त मापदंडों के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ केवल घरेलू बाजार की बिक्रियों पर विचार किया है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
बिक्री की लागत	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	89	74
निवल बिक्री कीमत-घरेलू	रु./ किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	72	74
लाभ/हानि (पी बी टी)	रु./ किग्रा.	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(165)	(117)	(73)
लाभ/हानि (पी बी टी)	लाख रुपए	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(113)	(243)	(232)

लाभ/हानि (पी बी आई टी)	लाख रुपए	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(116)	(229)	(204)
नकद लाभ/(हानि)	लाख रुपए	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(148)	(259)	(223)
एन एफ ए आधार पर नियोजित पूंजी पर आय	%	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(7.45)	(8.75)	(7.29)

45. उपर्युक्त से यह नोट किया गया कि:

- i. घरेलू उद्योग को पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद लगातार वित्तीय घाटा हो रहा है ।
- ii. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत व्यापक रूप से क्षति की अवधि में लगभग 25% तक गिरावट आई है ।
- iii. प्रारंभ में घरेलू उद्योग की काफी उच्च लागत थी । यह आंशिक रूप से गुजरात फ्लोरो केमिकल्स लि. के साथ नई उत्पादन सुविधाओं के प्रारंभ होने और उत्पाद की लगातार पाटन के कारण हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन में उत्पादन की मात्रा में कमी के कारण हुआ है । चूंकि घरेलू उद्योग ने अपना उत्पादन बढ़ा दिया है इसलिए अधिक उत्पादन पर नियत व्यय होने के कारण इसके उत्पादन लागत में व्यापक गिरावट आई है । यह नोट किया गया है कि उत्पादन लागत में गिरावट नियत अधिक लागत के प्रभाव के कारण हुई है न कि निविष्टि कीमतों में गिरावट के कारण ।
- iv. क्षति की अवधि के दौरान नकद घाटे में वृद्धि हुई है । घरेलू उद्योग को क्षति की अवधि में नकारात्मक नकद लाभ का सामना करना पड़ा है ।
- v. क्षति की अवधि में निवेश पर आय नकारात्मक बनी रही । इसके अलावा, वर्ष 2007-08 में नई उत्पादन सुविधाओं के प्रारंभ होने और नियोजित पूंजी में वृद्धि के कारण निवेश पर आय में सुधार हुआ है । लगाई गई पूंजी पर आय में आधार वर्ष के दौरान ***% नकारात्मक से जांच अवधि के दौरान ***% नकारात्मक का सुधार हुआ है ।
- vi. कर पूर्व नकद लाभ और ब्याज एवं कर से पूर्व लाभ पूरे क्षति अवधि में नकारात्मक बना रहा । पाटनरोधी शुल्क के लागू रहने के बावजूद यह स्थिति रही ।

रोजगार, उत्पादकता एवं मजदूरी

46. कर्मचारियों की संख्या, उत्पादकता एवं मजदूरी के संबंध में सत्यापित सूचना निम्नानुसार प्रदर्शित होती है :

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	(जांच अवधि)
रोजगार	संख्या	146	167	300	264
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	215	277	305
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	294	329	463

47. घरेलू उद्योग के रोजगार में वृद्धि हुई है। रोजगार में वृद्धि जांच अवधि के दौरान क्षमताओं में वृद्धि होने के कारण हुई है। मजदूरी भुगतान में भी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में काफी सुधार प्रदर्शित हुआ है।

मालसूची

48. प्राधिकारी ने नोट किया है कि जांच अवधि में घरेलू उद्योग के पास उत्पाद की मालसूची में व्यापक बढ़ोतरी प्रदर्शित हुई है। जबकि यह नोट किया गया कि मालसूची में कतिपय वृद्धि एक और कंपनी के द्वारा उत्पादन शुरू करने के कारण हो सकती है, इस कारण को सिद्ध करने के लिए मालसूची में वृद्धि काफी महत्वपूर्ण है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	(जांच अवधि)
अथ शेष	मी. ट.	32	8	490	752
अंत शेष	मी. ट.	8	490	752	972
औसत स्टॉक	मी. ट.	20	249	621	862
स्टॉक में बिक्री दिनों	सं.	11	972	490	415

की संख्या					
-----------	--	--	--	--	--

पाटन की मात्रा

49. उपर्युक्त निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से भी अधिक स्तर का है और पाटनरोधी शुल्क के लागू होने के बावजूद काफी महत्वपूर्ण है ।

वृद्धि

50. घरेलू उद्योग को कई मापदंडों के रूप में नकारात्मक वृद्धि का लगातार सामना करना पड़ रहा है । घरेलू उद्योग ने लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह के रूप में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है । इसके बावजूद उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री एवं बाजार हिस्से के रूप में वृद्धि सकारात्मक रही है । देश में उत्पाद के लिए मौजूद क्षमता एवं मांग की तुलना में इसके विपरीत है । यह स्थिति पाटनरोधी शुल्क की लागू होने के प्रभाव के बावजूद है ।

नए निवेश बढ़ाने की क्षमता

51. जहां तक घरेलू उद्योग में से एक (गुजरात फ्लोरोकेमिकल लि.) बहुउत्पाद कंपनी है वहीं दूसरी (हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बनस लिमिटेड) एच ओ सी एल की सहायक कंपनी है । वह भी बहुउत्पाद कंपनी है । यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु पर कुछ समय से वित्तीय घाटा उठा रहा है जो नए निवेश बढ़ाने की उनकी योग्यता में बाधा है । तथापि, गुजरात फ्लोरोकेमिकल लि. ने दावा किया है कि उन्होंने विचाराधीन उत्पाद के अधिक ग्रेडों का और उत्पादन करने के लिए निवेश किया है ताकि उत्पाद के प्रकार, जिनका घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्ताव किया गया है, में वृद्धि करने के लिए घरेलू उद्योग के सतत प्रयासों को सुनिश्चित किया जा सके ।

क्षति पर निष्कर्ष

52. क्षति संबंधी मापदंडों के उपर्युक्त विश्लेषण को ध्यान में रखते हुए और इस तथ्य पर विचार करते हुए कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, प्राधिकारी ने निष्कर्ष निकाला है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में मालसूची, लाभ, नकद प्रवाह जैसे मापदंडों के रूप में कमी आई है । इसके अलावा, हालांकि क्षमता, उत्पादन, घरेलू बिक्रियों और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है, तथापि, यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग और बाजार हिस्सा अभी भी काफी कम है । घरेलू उद्योग की मालसूची में वास्तविक रूप से वृद्धि हुई है । घरेलू उद्योग पर संबद्ध

आयातों से कम कीमत पर बिक्री करने का प्रभाव पड़ा है । इस प्रकार घरेलू उद्योग लगातार वास्तविक क्षति का सामना कर रहा है ।

छ. कारणात्मक संबंध

53. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों के अलावा अन्य ज्ञात कारकों की जांच करना अपेक्षित है जो उस समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हों, ताकि इन अन्य कारकों द्वारा हो रही क्षति को पाटित आयातों का कारण न समझा जाए । अन्य बातों के साथ-साथ इस संबंध में संगत कारकों में आयातों की मात्रा और कीमत जो पाटित कीमतों पर नहीं बेची गई, मांग में संकुचन अथवा खपत के रूप में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंध व्यवहार और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और घरेलू उद्योग की उत्पादकता और निर्यात निष्पादन शामिल है । यह जांच की गई थी कि क्या नियमावली के अंतर्गत सूचित इन अन्य मापदंडों की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । यह पाया गया कि

- i. तीसरे देशों से आयात: - प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात की कीमत रूस को छोड़कर बाकी संबद्ध देशों से काफी अधिक है । तथापि रूस से आयात पर इस समय पाटनरोधी शुल्क लागू हैं ।
- ii. मांग में संकुचन: - क्षति की अवधि के दौरान मांग में कोई संकुचन नहीं हुआ है । इसके विपरीत संबद्ध वस्तुओं की समग्र मांग में क्षति अवधि के दौरान काफी सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है । मांग में संभावित कमी घरेलू उद्योग की क्षति का कोई संभावित कारण नहीं है ।
- iii. खपत की पद्धति: - प्राधिकारी को खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन होने के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई आवेदन किया है ।
- iv. प्रतिस्पर्धा की स्थिति: - जांच से यह प्रदर्शित नहीं होता है कि प्रतिस्पर्धा की स्थिति या व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार घरेलू उद्योग को हुई क्षति के लिए जिम्मेवार है ।
- v. प्रौद्योगिकी का विकास: - अब तक हुई जांच में यह देखा नहीं गया है कि प्रौद्योगिकी में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ हो, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो ।
- vi. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन: - घरेलू उद्योग की निर्यात की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है । तथापि, वर्तमान क्षति के आकलन के प्रयोजनार्थ

प्राधिकारी ने घरेलू तथा निर्यात बाजार में मात्रा, मूल्य तथा लाभप्रदता का ब्यौरा अलग-अलग रखा है ।

- vii. **कार्बन क्रेडिट** : कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने कहा है कि घरेलू उद्योग कार्बन क्रेडिट की बिक्री से अच्छा राजस्व अर्जित कर रहा है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्रेडिट आर-23 से सृजित किया जा रहा है, न कि संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन से । इसके अलावा, आर-23 विचाराधीन उत्पाद का कच्चा माल नहीं है । इसी उत्पाद के संबंध में मध्यावधि समीक्षा में प्राधिकारी द्वारा इस मुद्दे की जांच पहले ही की जा चुकी है जिसमें यह अभिमत व्यक्त किया गया था कि कार्बन क्रेडिट संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री से प्रोद्भूत नहीं होता है ।

54. उपर्युक्त असंबद्धता विश्लेषण जहां यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति अन्य ज्ञात कारकों की वजह से हुई है, वहीं प्राधिकारी द्वारा जांच की गई थी कि क्या घरेलू उद्योग को हुई निरंतर क्षति, निरंतर पाटित आयातों के कारण हुई थी । निम्नलिखित मानदंडों से ज्ञात होता है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है:

क. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमतें एन आआईपी स्तर से बहुत कम रही हैं ।

ख. संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत के कारण भारतीय बाजार में कम कीमत पर बिक्री हुई है । इसके परिणामस्वरूप कम पहुंच कीमत के कारण घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को एन आई पी के स्तर तक बढ़ाने से वंचित रह गया । घरेलू उद्योग विगत में हुई क्षति से उबरने के लिए अपनी कीमतों में वृद्धि करने में समर्थ नहीं रहा । इस प्रकार, लाभ, निवेश से आय तथा नकद लाभ के रूप में निरंतर प्रतिकूल निष्पादन बाजार में पाटित आयातों की उपस्थिति की वजह से हुआ है ।

ज. निरंतर क्षति की संभावना

55. वर्तमान जांच चीन से हुए पी टी एफ ई के आयातों पर पहले से लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच है । नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारण किया जाना अपेक्षित है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को लगाए रखना आवश्यक है । इसमें यह विचार किया जाना भी अपेक्षित है कि क्या लगाए गए शुल्क से क्षतिकारी पाटन को समाप्त करने का आशयित प्रयोजन सिद्ध हुआ है । प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आवेदन और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों के संदर्भ में जांच शुरू की थी और पाटन तथा परिणामी क्षति की जांच की थी जिसमें घरेलू उद्योग ने दावा किया था कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद समस्त क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयात अत्यधिक रहे थे । एक मध्यावधिक समीक्षा भी की गई थी क्योंकि लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से क्षतिकारी पाटन को समाप्त करने का आशयित प्रयोजन सिद्ध नहीं हुआ था । संबद्ध देशों द्वारा भारतीय बाजार

में पाटन के साथ विश्व के विभिन्न भागों में संबद्ध वस्तुओं के पाटन के प्रमाण मौजूद हैं । अत्यधिक क्षमताओं के बारे में भी साक्ष्य उपलब्ध कराया गया है । अत्यधिक क्षमता की मौजूदगी और कम कीमत पर बिक्री का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से इस बात का द्योतक है कि उपभोक्ताओं को चीन का उत्पाद सस्ता महसूस होगा और यदि वर्तमान शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो चीन से उसकी खरीद में वृद्धि होगी ।

56. घरेलू उद्योग ने तर्क प्रस्तुत किया है कि भारतीय बाजार में कीमत और चीन के विनिर्माता इस उत्पाद को जिस कीमत पर बेचने के इच्छुक हैं, उसमें उल्लेखनीय अंतर है । अतः भारतीय बाजार चीन के उत्पादकों के लिए पर्याप्ततः आकर्षक होगा और इस प्रकार इसकी परिणति आयातों में वृद्धि में होगी । यदि घरेलू उद्योग इस स्थिति का संभावित हल ढूँढने का प्रयास करता है तो घरेलू बाजार में उसे अपनी कीमतें घटानी होंगी । यदि घरेलू उद्योग कीमतें घटाता है, तो घरेलू उद्योग को हो रहे घाटे में और भी वृद्धि होगी । तथा, चीन के सीमाशुल्क विभाग द्वारा जारी सूचना स्पष्ट रूप से सिद्ध करती है कि इस सामग्री का कम कीमतों पर निरंतर निर्यात किया जा रहा है ।

57. प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क को वापस ले लिए जाने की स्थिति में पाटन और खति के जारी रहने की संभावना को जांच करते समय निम्नलिखित मानदंडों पर विचार किया था :-

- i. मूल जांच, मध्यावधिक समीक्षा जांच और वर्तमान जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक है । मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों के बावजूद वर्तमान जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों द्वारा इस उत्पाद का अत्यधिक पाटित कीमतों पर निर्यात किया गया था ।
- ii. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद आयातों की मात्रा में और भी वृद्धि हुई है । वर्तमान जांच अवधि के दौरान आयातों की मात्रा मूल जांच अवधि से भी अधिक है ।

वर्ष	चीन	अन्य देश	कुल
	मी.ट.	मी.ट.	मी.ट.
2000-01	9	483	492
2001-02	11	723	734
2002-03	53	810	863
जन.-दिस., 2003	233	775	1009
2003-04	272	856	1128

2004-05	736	748	1484
2005-06	644	777	1421
2006-07	778	950	1728
अक्टू., 07 - सित., 08	1180	1137	2317
2007-08	1153	1012	2165
2008-09	991	1021	2013
2009-10	918	992	1910

स्रोत: प्राधिकारी द्वारा जांच परिणाम तथा डी जी सी आई एंड एस।

- iii. मुक्त रूप से निपटान योग्य उत्पादन क्षमताएं: घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अप्रतिवादित क्षमताएं मौजूद हैं। इसकी पुष्टि दिनांक 26 फरवरी, 2010 के मध्यावधिक समीक्षा अंतिम जांच परिणाम में भी की जा चुकी है। निम्नलिखित तालिका में संबद्ध देश की अप्रयुक्त क्षमताएं दर्शाई गई हैं :

क्र. सं.	देश	उत्पादकों का नाम	सामूहिक क्षमता (मी.ट.)
1.	चीन	<ul style="list-style-type: none"> • शंघाई 3एफ • मीलान • डोग्यू • फिक्सिन • जिनान 3एफ • जिन्हुआ • डाइकिन चांगसुई • चेन्गुआंग 	34,000
2.	अन्य देश		93,500
3.	वैश्विक - कुल		1,27,500

- iv. वर्ल्ड ट्रेड एटलस से उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि चीन जन.गण. ने भारत के लिए औसत निर्यात कीमत से कम औसत निर्यात कीमत पर कोरिया गण., इटली, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, यू.के. तथा ब्राजील आदि (जिनका हिस्सा चीन जन.गण. द्वारा किए गए कुल वैश्विक निर्यातों का लगभग 45% बनता है) जैसे देशों को पर्याप्त मात्रा में संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में इन निर्यातों को भारत में किए जाने की सीमावना है।
- v. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वर्तमान शुल्क के बावजूद स्थिति नाजुक बनी हुई है। अतः घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना है।

झ. क्षति की मात्रा एवं पाटन मार्जिन

58. संबद्ध वस्तु के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार किया गया है और उसकी तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध देश से हुए आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। संबद्ध देश से आयातों की भारत औसत पहुंच कीमत और क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:

विवरण	इकाई	रूपोंट	अन्य असहयोगी निर्यातक
आयातों की पहुंच कीमत	अम.डॉ./किग्रा.	***	***
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	अम.डॉ./किग्रा.	***	***
क्षति मार्जिन	अम.डॉ./किग्रा.	***	***

58. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

59. पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ट. निष्कर्ष

60. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:

- (i) लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देश से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (iii) वास्तविक क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है और शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के पाटन द्वारा क्षति होने की संभावना है ।
- (iv) संबद्ध देश के पास उपलब्ध भारी अप्रयुक्त उत्पादन क्षमताओं और विश्व के अन्य देशों को भारत के लिए निर्यात कीमत से कम कीमत पर संबद्ध देश के निर्यातों की अत्यधिक मात्रा को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटित आयात और परिणामी क्षति जारी रहने की संभावना है ।

ठ. सिफारिशें

61. निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति और पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और पूर्ण करने के बाद तथा संबद्ध देश से आयातों के पाटन और उनकी वजह से हुई क्षति की संभावना की सकारात्मक पुष्टि करने के बाद और यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी का यह मत है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति रोकने के लिए संबद्ध देश के बारे में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करना अपेक्षित है । अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर निम्नलिखित प्रपत्र में और ढंग से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क को लगाने की संस्तुति करना आवश्यक समझते हैं ।

62. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कम्प्यूटर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि (अम.डॉ./किग्रा)
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	3904 61	पॉलीटेन्- फ्लूरो-एथीलीन (पीटीएफई)	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	डूपोट (चांगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	डूपोट (चांगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	2.48
2.	- वही-	- वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	- वही-	डूपोट (चांगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड से इतर कोई	3.87
3.	- वही-	- वही-	चीन जन. गण.	कोई	उपरोक्त सहित कोई	कोई	3.87
4.	- वही-	- वही-	चीन जन. गण. तथा वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, सहित कोई ।	चीन जन. गण.	कोई	कोई	3.87

62. केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद इस आदेश के खिलाफ जांच परिणाम के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th July, 2011

FINAL FINDINGS

Sub. : Final Findings of Sunset Review of anti-dumping duty imposed on imports of Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from China PR.

F. No. 15/8/2010-DGAD.—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

A Background of the Case

1. The Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the AD Rules); recommended imposition of Anti Dumping duty on the imports of Polytetrafluoroethylene (hereinafter also referred to as PTFE or the subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country) falling under Sub-heading 39046100. The final findings notification of the Authority was published vide notification No 14/25/2003-DGAD dated 25.07.2005. On the basis of the findings, definitive anti dumping duties on the subject goods imported from the subject country were imposed by the Central Government vide notification No. 91/2005 - Customs dated 17.10.2005. Subsequently the Authority conducted a midterm review of the said definitive anti dumping duty and modified the duty vide notification no 15/33/2008-DGAD dated 26th February 2010 and such modified duty was imposed by the Central Government Vide Custom notification No. 42/2010 dated 5th April 2010. The petition in the original case was filed by M/s Hindustan Fluorocarbons Ltd and Midterm Review

petition was filed by M/s Gujarat Fluorochemicals Limited and M/s Hindustan Fluorocarbons Ltd, as Domestic Industry.

B. Procedure

2. The following procedure has been followed in the present investigation:

- a. Under Section 9A(5) of the Customs Tariff (Amendment) Act 1995 the antidumping duties imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition of duty and the Authority is required to review whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In this regard, Hon'ble Delhi High Court in WP No 16893 of 2006 held that sunset review is mandatory. Therefore, pursuant to the above orders of the Hon'ble High Court, the Designated Authority, vide notification No.15/8/2010-DGAD dated 26.7.2010, initiated *suo-motu* sunset review in accordance with section 9A(5) of the Act read with Rule 23 of Antidumping Rules to examine whether cessation of the duty would lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
- b. In response to initiation, the Authority received a duly substantiated application from M/s. Gujarat Fluorochemicals Ltd. and M/s. Hindustan Fluorocarbons Limited for Sunset Review, requesting for review, enhancement and continuation of the duty. The petitioner submitted *prima facie* evidence in this regard, requesting for review, continuation and enhancement of the anti dumping duty in force.
- c. The scope of the present review covers all aspects of the previous notifications.
- d. The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2).
- e. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the Embassy of subject country in accordance with Rules 6(3) *supra*. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- f. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose names and addresses were made available to the Authority) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4).
 - i) DuPont (Changshu) Fluro Technology Company Limited
Changshu City, Jiangsu Province, China,
 - ii) M/s. Zhengxin Fluorocarbons

Jiangsu, China,

- iii) Shandong Dongyue Chemical Co., Ltd
Shandong, China
- iv) Changzhou Xiangtong Chemical Co., Ltd, China
- v) Taizhou Meilan Resin Process Co. Ltd
Jiangsu, China, Taizhou, Jiangsu, China,
- vi) ShanDong DongYue Polymer Material Co., Ltd
ZiBo City, Shandong, China

- g. Response to exporter's questionnaire was received from the following producer/exporter of the subject goods from the subject country:

M/s DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd, China
PR,

- h. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the following known importers (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(4).

- i. Goenka & Sons, Mumbai
- ii. Pragati International, New Delhi
- iii. Venus Industries, New Delhi
- iv. Mechanical Packing Industries, Mumbai
- v. Mach Polymers, Pune
- vi. Tee Coating Industries, Ahemdabad
- vii. Pragati Plastic Pvt. Ltd, New Delhi
- viii. Automate Industries, Ahemdabad
- ix. Dip Flon Engineering Co., Ahemdabad
- x. Plastic Product Engineering Co, Ahemdabad
- xi. Corrosion Engineers, Ahemdabad.
- xii. Sanghvi Products,
- xiii. Meerut PTFE Products Pvt. Ltd.
- xiv. Tonk & Associates (P) Ltd.,
- xv. Trestar Elektroniks,
- xvi. E.I. Dupont India (P) Ltd.,
- xvii. T& F Insulations (P) Ltd.

The following importers responded to the notice of initiation.

- i. Trestar Elektroniks,
 - ii. Ghaziabad Flopol Insulations Pvt. Ltd.
 - iii. Meerut PTFE Products Pvt. Ltd.
 - iv. Tefkot Cable Co.
 - v. T & F Insulations (P) Ltd.
 - vi. Tonk & Associates (P) Ltd.,
 - vii. E.I. Dupont India (P) Ltd. – the company has however not filed response to importer's questionnaire in the form and manner prescribed.
- i. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
 - j. Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
 - k. A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was forwarded to all the known exporters and embassy of China PR with a request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time.
 - l. Information was sought from the applicants to determine non-injurious price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
 - m. Verification of petitioner's information, to the extent considered appropriate, was carried out.
 - n. The Authority held a public hearing on 04.05.2011 to hear the interested parties orally. The interested parties present at the time of hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally and were also given an opportunity to file rejoinder to the views expressed by other interested parties. The written submissions and rejoinders received from interested parties have been, to the extent relevant, examined/addressed in these findings.
 - o. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts were disclosed to known interested parties and comments received on the same, to the extent relevant and appropriate, have been duly addressed/examined in these findings.

- p. Investigation has been carried out for the period starting from April 1, 2009 to March 31, 2010 (also referred to as the period of investigation or POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 2006-2007, 2007-2008, 2008-2009 & the POI.
- q. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- r. The exchange rate for the POI has been taken as Rs.48.30=1 US\$

C. Product under consideration and like article

- 3. The Authority notes that in the Mid Term Review Investigation concerning the subject goods, the following was held to be the product under consideration vide MTR Final Findings dated 26.2.2010.
 - i. The product under consideration in the present case is "Polytetrafluoroethylene (also referred to as PTFE) originating in or exported from China PR. PTFE is produced in various grades, such as molding grade, fine powder, aqueous dispersions and compound grades of filled grades.
 - ii. PTFE is primarily used in electrical, electronic, mechanical and chemical industries for their unique characteristics which are chemical inertness, electrical and thermal insulation, low coefficient of friction, non toxic, non flammable, resistance to radiation, low level of static and dynamic friction and outstanding electrical properties over a wide frequency range.
 - iii. Polytetrafluoroethylene (PTFE) is classified under subheading no 390461 under Customs tariff Act and at subheading no. 39046100. Customs classifications are indicative only and, in no way, binding on the scope of the investigation.

Views of the Domestic Industry

- 4. The domestic industry has submitted as follows –
 - a. The present investigation being the Sunset Review, the scope of the product under consideration must remain same as that in the original investigation.
 - b. No substantial processing is required to convert TFE into Polytetrafluoroethylene.
 - c. TFE is not a raw material but an inter-mediate stage before finally producing Polytetrafluoroethylene.

Views of other interested parties:

5. The exporter and importers/consumers have submitted as follows

- a. It has been argued by M/s DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd, that the scope of the product under consideration is too broad as the notice of initiation includes all the grades of PTFE whereas the applicant M/s Gujarat Fluoro Chemicals limited produces only one grade of PTFE, i.e., Granular Resin.
- b. It has also been argued that the grades which are not manufactured by the domestic industry should be excluded from the purview of the product under consideration.
- c. TFE is a raw material for Polytetraflouroethylene.
- d. No substantial processing is required to convert TFE into Polytetraflouroethylene is wrong.
- e. Scope of product to be reviewed and curtailed only to granular grade of Polytetraflouroethylene:

Examination by the Authority

6. The Authority notes that the present investigation is a Sunset Review of anti dumping duties imposed on imports of PTFE on the basis of recommendation earlier made by the Authority. Hindustan Fluorocarbons Limited comprised domestic industry in the original investigation; while Gujarat Fluorochemicals Ltd. and Hindustan Fluorocarbons Limited constituted domestic industry in the midterm review investigation. In response to notice of initiation of present proceedings, Gujarat Fluorochemicals Ltd. and Hindustan Fluorocarbons Limited have responded as domestic industry and have provided the relevant information. The Authority has examined the contentions of various interested parties regarding the scope of the product under consideration, including arguments that some of the grades pertaining to product under consideration being imported from the subject country are not being manufactured in India or there is no domestic like product or the product range is too broad. After due examination and considering the final findings notified by the Authority in the original investigation as also in the midterm review investigation, it is noted that a particular grade of the product under consideration cannot be excluded so long as the like article is being produced by the domestic industry. In the present investigation, the domestic industry comprises of Gujarat Fluorochemicals Ltd. and Hindustan Fluorocarbons Limited. Hindustan Fluorocarbons Limited constituted the domestic industry at the time of original investigation. It was established in the original investigation that the domestic industry produced and supplied like article to the product under consideration.
7. Since both Gujarat Fluorochemicals Ltd. and M/s Hindustan Fluorocarbons Limited have cooperated with the Authority in the present investigation and have provided all relevant information, the scope of product under consideration and like articles is required to be decided based on the goods produced and supplied by these two companies. After examining the submissions and verification of domestic industry, it is noted that the

domestic industry manufactures the product under consideration in all its grades as defined in this final findings.

8. The Authority, therefore, holds that for the purpose of this Sunset Review, the scope of the product under consideration remains the same as that in the Final Findings of the original and mid- term review investigation.

D. Domestic Industry and Standing

Views of Exporters

9. It has been contended that the scope of Domestic Industry cannot be changed in Sunset Review.

Examination by the Authority

10. The Authority notes that in response to the notice of initiation, application seeking extension of anti dumping duties has been jointly filed by Gujarat Fluorochemicals Ltd., Noida and Hindustan Fluorocarbons Limited, Hyderabad, who have provided the requisite information for the present proceedings. In the original investigation, Hindustan Fluorocarbons Limited had filed the petition before the Designated Authority.
11. Gujarat Fluorochemicals Ltd., had set up a new plant for production of PTFE with an installed capacity of 5500 MT, which commenced commercial production in December 2007. The Authority notes that production by Gujarat Fluorochemicals Ltd., and Hindustan Fluorocarbons Limited accounts for 100% of the production of the subject goods in India.
12. The Authority has examined the scope of Domestic Industry and issues raised in relation thereto. Authority holds that scope of the domestic industry is required to be determined in each investigation. The Authority notes that in the original investigation there was only one company as Domestic Industry. Scope of Domestic Industry changed in Midterm review investigation. In the present investigation, two domestic producers namely, Hindustan Fluorocarbons Limited and Gujarat Fluorochemicals Ltd., comprise the domestic industry. Authority has considered Hindustan Fluorocarbons Limited and Gujarat Fluorochemicals Ltd. as Domestic Industry in the current Sunset review investigation.

Confidentiality

13. The Authority examined the confidentiality claims of the interested parties. Considering the legal provisions and on being satisfied with regard to claim on confidentiality, the same has been allowed.

Submissions and issues raised

14. The Authority notes that the following producer/exporter has filed questionnaire response –

DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd, China PR

15. Further, importers/users namely, Meerut PTFE Products Pvt. Ltd. Tonk & Associates (P) Ltd., Ghaziabad, Flopol Insulations Pvt Ltd., Tefkot Cable Co., Trestar Elektroniks, T& F Insulations Pvt. Ltd., E.I. Dupont India (P) Ltd., have also responded. However, E.I. Du-Pont India have not submitted importer's questionnaire response.
16. Views expressed by the interested parties have been appropriately examined in these findings.

E. Determination of Dumping Margin

Market economy claims

17. The Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise producers/exporters in their country to provide information.
18. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporter/ producer of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-
 - i. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - ii. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - iii. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - iv. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Submission by the domestic industry

19. Domestic industry has submitted the following with regard to determination of dumping margin:—

- i. Dupont has resorted to significant dumping in the Indian market. Dupont appears to have started production in some new form sometimes during the period of investigation.
- ii. Dupont is engaged in production along with Shanghai 3F, which is a State owned/controlled company, making financial losses for quite some times.
- iii. The import price from China is unreliable. On comparing Indian data with that of China it can be seen that even when import volumes are almost in similar region, the values are significantly different. Even when it is appreciated that one of the values is FOB and the other is CIF, the difference in the two is much higher than this.
- iv. For the calculation of Normal Value, India should be considered as the surrogate country.
- v. Comparison of normal value with export price would show that the dumping margin in the present case is materially higher than the dumping margin earlier established, thus making the need to enhance the Anti-Dumping Duty essential.
- vi. No individual duty may be given to Du Pont (Changshu).

Submission by M/s Du Pont (Changshu)

- i. DuPont (Changshu) has not filed response to MET questionnaire nor has claimed market economy status. Infact, the Company is ready to offer price undertaking to the Authority as it is not engaged in any kind of dumping practice.
- ii. Export price from Chinese customs data and import volume from DGCI&S is not proper.
- iii. Du-Pont should be given an Individual duty rate as done in Midterm Review.
- iv. Du-Pont (Changshu) should be given an Individual duty rate as done in Midterm Review.
- v. Non furnishing costing information does not render Du-Pont (Changshu) as non co-operative as the company is not claiming MET
- vi. India cannot be taken as surrogate country

Examination by Authority

20. The Authority notes that Du-Pont (Changshu) has not claimed market economy treatment. No other Chinese exporter/producer has submitted exporters' questionnaire response or MET response. The domestic

industry claimed that the Chinese producers should be considered as operating in non market economy environment. In the absence of cooperation in this regard from the Chinese producers/exporters, the Authority grants non-market economy status to all producers/exporters of China PR. As regards Du Pont (Changshu)'s price undertaking offer, the Authority notes that the said company has neither submitted MET questionnaire response nor claimed MET status. Consequently the requisite production data for determination of their normal value and dumping margin are not on record. In the circumstances there are likely to be practical difficulties in effectively monitoring the price undertaking. Hence, considering the facts and circumstances of the case Du Pont (Changshu)'s offer of price undertaking is not being accepted.

E.1 Normal Value for China PR

21. As none of the producers/exporters from China PR has submitted MET questionnaire response, the Authority is unable to grant market economy status either to DuPont or to Chinese producers in general for the purpose of proposed determination. Therefore, the Authority has determined normal value on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules. Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules provides as under:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

22. In accordance with the para 7 of the Annexure 1 of the Anti dumping rules as mentioned above, normal value is required to be determined on the basis of costs or prices in market economy third country. It is noted in this regard that domestic industry has not provided any information with regard to cost or price of the product under consideration in a market economy third country. Domestic industry has provided information with regard to the countries where the product under consideration is produced and stated that DuPont has production facilities at a number of places outside China and thus was in a position to provide information with regard to

normal value based on cost of production or price in market economy third country. Authority further notes that DuPont (Changshu) has neither claimed market economy status nor provided any information with regard to cost or price of the product under consideration in market economy third country. At the time of midterm review investigation, the Authority had determined normal value on "any other reasonable basis". In the circumstances, the Authority has determined normal value for all producers/exporters of China PR on the basis of constructed cost of production. The normal value has been constructed based on best available information by taking into account international price of the major inputs and consumption norms, conversion cost duly adjusted for optimum capacity utilization and SGA expenses of efficient domestic producer and a reasonable profit margin of 5%. The normal value so constructed works out to US\$ ***/kg.

E.2 Export Price in case of M/s DuPont

23. Export price is determined on the basis of information provided by Du-Pont (Changshu), considering weighted average price of the goods exported during the POI. The Authority has allowed price adjustments, as claimed by the exporter, on account of inland freight, ocean freight, marine insurance, port expenses, non-refundable portion of VAT and bank charges. The net export price in respect of Du-Pont (Changshu), as determined after the said adjustments, is US \$ ***/ Kg.

E.3 Export Price for Other Exporters from China PR:

24. The Authority notes that no other producer/exporter from China has submitted questionnaire response giving details of export price. Therefore, the Authority has determined the export price for residual producers/exporters of China PR on the basis of the representative lower price of DuPont's (Changshu) export prices to India during the POI as reported in the Questionnaire response. The Authority has made adjustments on account of inland freight, ocean freight, marine insurance, port expenses, non-refundable portion of VAT and bank charges as claimed by DuPont (Changshu). Thus, net export price is determined as US\$ ***/Kg for all other exporters of China PR.

E.4 Dumping Margins

25. Comparing the normal values and export prices at ex-factory level as determined above, the dumping margin for the producers/exporters of subject country is worked out as under:-

Particulars	DuPont (Changshu)	Any other Chinese producer/ exporter
Normal value	***	***

US\$/kg

Net Export price	***	***
Dumping Margin \$	***	***
Dumping margin % range	40-50	80-90

F. INJURY DETERMINATION

Views of Domestic Industry

26. The Domestic Industry has submitted that subject goods from China have caused injury to the Domestic Industry as evident from the following:

- i. Demand has increased over the injury period.
- ii. Imports have increased inspite of Anti Dumping Duty being in force.
- iii. The share of Domestic Industry has not increased to the extent it should have given fresh capacities set up in the Country.
- iv. Domestic Industry is not able to utilize its capacity despite significant demand of the subject goods in the market.
- v. Inspite of duty being in force, the imports from China PR are high and significant. The share in demand has remained on the higher level throughout the injury period. Due to this, Domestic Industry is unable to increase its market share to the extent which it could have in absence of imports from the subject country.
- vi. Domestic Industry is suffering in terms of profits, cash profit and return on investment. The profitability of Domestic Industry over the injury period has deteriorated and continues to be negative.
- vii. Production, domestic sales, market share, productivity of the Domestic Industry has improved over the injury period. However, the domestic industry could have produced much higher, sold much higher and could have achieved much higher level of market share in the absence of dumping of the product in the Country.
- viii. Inventory level has increased significantly over the injury period.

Views of Exporter, Importers & Users

27. Following arguments have been advanced by the various exporters, importers and users

- i. The domestic industry has not suffered continued material injury.
- ii. Injury to Domestic Industry is due to excess capacity, inter alia competition between the domestic producers, higher cost of production.
- iii. Capacity, capacity utilization, sales volume, selling price, profitability shows positive growth.
- iv. Domestic Industry is selling the goods below reference price and no reasonable explanation provided.

- v. Transfer pricing of R-22 cannot be taken for determining cost of Polytetrafluoroethylene and same can be higher or lower than the cost.
- vi. Plant and machinery not utilized during Period of Investigation must be excluded from capital employed for determination of injury and NIP.
- vii. No evidence submitted by Domestic Industry with regard to likelihood of continuance of injury.

Post-disclosure comments of the interested parties:-

28. The following post-disclosure submissions have been made by various interested parties:-

- a. There is no requirement that the company proposing to give a price undertaking should also submit a MET Questionnaire response and rejection of price undertaking proposal because of this reason is totally frivolous.
- b. The authority has neither granted any hearing on the issue of price undertaking to arrive at the modalities of price undertaking nor given any opportunity to the exporter to explain its case for acceptance of its offer of price undertaking.
- c. The acceptance or rejection of price undertaking is an important step in an anti-dumping investigation and due procedure such as hearing deliberations needs to be followed before arriving at any decision in this respect.
- d. The consideration of the price undertaking under Rule 15 of AD Rules, 1995 is a most crucial exercise to be undertaken by the Designated Authority and a validly given undertaking cannot be brushed aside casually.
- e. In the present case, the price undertaking proposal has been rejected without any cogent reasons and therefore, the authority is requested to reconsider its decision.
- f. In case of antidumping investigation concerning import of Nylon Tyre Cord Fabric (NTCF) originating in or exported from China PR, the authority has accepted the price undertaking offered by the exporter, even though market economy status was not granted to the concerned exporter.
- g. The fall in share of Chinese imports coupled with increase in share of domestic producers by more than 294 percent

clearly establishes the fact there is no volume effect of dumping. The disclosure statement does not address the issue of volume and price effects of the imports on the domestic industry. In the absence of adverse volume and price effect, it is submitted that the investigation may kindly be terminated with immediate effect.

- h. It is further submitted that GFL's annual report of 2009-10 reveals improving production, captive consumption and sales levels in the past two years. The report also suggests that the key threats to the business are availability and cost of energy (being one of the key inputs) and the company's ability to meet the stringent quality standards of the export markets.
- i. The losses reported by the domestic industry must be viewed against the backdrop of increase in cost of inputs and the increase in imports from Russia and other countries.
- j. For a market size of around 2,500 MT per annum, there was no requirement to set up a plant with a capacity of 6,000 MT. This surplus capacity has resulted in substantially increasing the per unit cost of production.
- k. None of the foreign producers have fully cooperated with the Designated Authority. The questionnaire responses being deficient, the Designated Authority is fully justified in proceeding with best available information.
- l. It is noted that authority has accepted the export price claimed by DuPont. Petitioners believe that the authority had accepted the export price in the previous Midterm Review as well. The petitioners, however, wish to point out that the resale price of DuPont has been quite lower than the price that can be constructed if DGCI&S prices are adopted. The price claimed by the exporter may be compared with the China customs price before the same is accepted. This is all the more relevant and necessary for the reason that the DGCI&S price is unreliable.
- m. Even when the volume reported in DGCI&S and China Customs are comparable, there is significant price difference between DGCI&S and China Customs prices. While it is appreciated that the DGCI&S reports CIF price and China Customs reports the FOB price and there can be some difference in the volumes on account of dispatch and arrival date difference; yet the price

difference between DGCI&S and China Customs is far beyond what can be accounted by the sea freight, etc.

- m) Petitioner submits that the anti dumping duty may be imposed only on fixed amount basis. Following are relevant in this regard
 - i. The previous Anti Dumping Duty imposed on the subject goods were recommended in the form of fixed duty.
 - ii. There have been no arguments or even any representation by any other interested parties to change the form of Anti Dumping Duty.
 - iii. One of the basic purpose of seeking midterm review was to get the duty form changed, as the imports were being reported at a price which was much higher than real import price (as reflected in China customs data).
- n) The injury to domestic industry was due to other factors such as higher cost of production, old technology, lower capacity utilization and lower exports vis-à-vis plant capacity.
- o) GFL is unable to produce grades other than granular grades of PTFE. Hence anti-dumping duty should not continue on such grades which GFL is unable to produce.
- p) The disclosure statement is based on wrong import data in as much as the same has not been properly filtered.
- q) Issue whether PTPTFE is a part of PUC or not has not been dealt in the disclosure statement. Raw material and value added finished products cannot be treated as like products and put in a same basket for injury analysis. PTFE and PTPTFE are distinct products
- r) Anti dumping duty, if any, may be imposed on the reference price basis as the prices of the PTFE has been increased phenomenally in the recent past.
- s) Transfer price of R-22 should be arm's length price.
- t) As regards freely disposable production capacities of subject countries, it is submitted that instant investigation and midterm review investigation are separate investigation; therefore, acceptance of evidence in the midterm review cannot be relied upon in the present case.
- u) Income from carbon credits should be adjusted in the cost of R-22.
- v) The claim of DI that it has not been selling to domestic market due to alleged dumping is not factually correct in the light of the news item which states that M/s GFL has set up its plant mainly for export purposes.
- w) Export price of China PR to India and third countries are significantly higher than the domestic selling price resulting in

negative price undercutting. Therefore, the argument of price attractiveness is self defeating. Therefore, there is no likely injury to DI in the event of revocation of duty.

- x) The comparison of weighted average export price of China PR to various countries of the world, would give distorted picture as there is significant difference in the prices of PTFE grades.

Examination by the Authority

29. The Authority has examined the views of the interested parties with regard to injury to the domestic industry. It is noted that:

- i. With regard to alleged excessive capacities, the Authority notes that the imports at dumped prices are being reported despite alleged excessive capacities. The Authority further notes that it is unable to cater to the demand in the Indian market due to persistent dumping of the product.
- ii. With regard to Domestic Industry selling the goods below reference price and no reasonable explanation provided, the authority notes that the export price reported in China customs is much lower than the price reported in Indian customs. Further, the goods are being imported by related parties as well and therefore the resale price of such goods becomes important. The Chinese exporters have also not established that the goods are indeed being exported at prices higher than the price at which the goods are being sold by the domestic industry.
- iii. With regard to the issue of transfer pricing of R-22, Authority has considered the price of R-22 on the basis of GAAP and based on records maintained by the companies.
- iv. With regard to the issue that the plant and machinery not utilized during Period of Investigation must be excluded from capital employed for determination of injury and NIP, Authority has verified the data and adopted the same on the basis of financial records maintained by the company, which are consistent with generally accepted accounting principles. Further, the Authority has determined the non injurious price of the domestic industry on the basis of Annexure-III to the Rules.
- v. With regard to non-acceptance of price undertaking of Du-pont (Changshu), the Authority notes that:
 - a) Rule 15 of AD Rules confers a discretion on the Designated Authority to accept or not accept the price undertaking offer by an exporter, if it considers that the acceptance of such undertaking is impractical or un acceptable for any other reason. In the present investigation the exporter in their exporter questionnaire response have not submitted the information relating to normal value and cost of production which are critically required for effective monitoring of price undertaking, particularly when the designated Authority, in case of

violation of price undertaking, is mandated under Rule 15 to inform the Central Government on such violation and recommend imposition of provisional duty from the date of such violation.

- b) In any case, the Authority notes that the present case is in the nature of a sunset review governed under Rule 23. In terms of Rule 23 of AD Rules, provisions of Rule 15 are not applicable in the case of a review.
- vi) Volume and price effect of dumped imports have duly been examined in the disclosure statement in para 33 to 38 and in the present findings as well.
- vii) The Authority notes that there are substantial imports from three other countries during POI namely Russia, USA and Netherland, as per DGCI&S data. However, the import price from USA and Netherland is much higher than the same from China PR. Imports from Russia is already attracting anti dumping duty.
- viii) The Authority is of the view that creation of new capacity is not solely based on the present market size but also, inter-alia, on future projections. Further, the Authority has duly adjusted the capacity factor in the construction of normal value and, thus, in the determination of dumping margin.
- ix) The issue of DGCI&S data vis-à-vis. China Customs data has duly been examined in the present findings.
- x) With regard to higher cost of production because of lower capacity utilization, the Authority notes that with the amendment in Rules, non injurious price has been determined based on the optimum capacity utilization in the injury period which duly factors in the low capacity utilization. Further, the Authority has duly adjusted the capacity factor in the construction of normal value and, thus, in the determination of dumping margin.
- xi) The present investigation is a sunset review of the anti dumping duty already in force on imports of PTFE on the basis of recommendation made by the Authority in the original investigation. The Authority notes that no grade wise distinction of subject goods was made in the original investigation nor in the Mid Term Review, the final findings of which were issued on 26th February, 2010. The Authority has examined the contentions of the interested parties in this regard and has noted that a particular grade of the product under consideration cannot be excluded so long as it is a like article to the goods produced by the domestic industry. In the present investigation both M/s GFL and M/s HFL comprise domestic industry and it is noted that the domestic industry manufactures the like product to the product under consideration.

- xii) As regards the basis of export data, it is stated that, the Authority relied upon DGCI&S data for both volume as well as price.
- xiii) It is noted that the difference between PTFE and PTPTFE is only one of cutting of higher microns i.e. PTFE into lower microns i.e. PTPTFE. This does not render them dislike articles.
- xiv) As regards form of duty, the Authority notes that in the mid-term review of the original anti dumping duty, the Authority had changed the form of duty from reference price to fixed form. In the present investigation, it has been noted that the subject goods from subject country continued to be exported at dumped prices despite the anti dumping duty in place and current dumping margin is quite substantial. This establishes the need for fixed form of duty.
- xv) The Authority notes that transfer price of R-22 has been adopted by the Designated Authority after duly considering the prevailing international prices.
- xvi) In the likelihood analysis, the authority has not only relied on the the freely available production capacities with the subject country drawn from the mid term review findings, it has also relied upon the World trade Atlas source to conclude that the subject country has substantial volume of exports to third countries such as USA, Germany, Brazil and Italy and Australia at a lower price vis-à-vis the price to India during POI, which are likely to be diverted to India in case of revocation of duty.
- xvii) The Authority notes that carbon credit is received from R-23 which is not raw material for the subject goods. With regard to the adjustment of income from carbon credits in the cost of R-22, the Authority has treated the same as an income of exceptional/ non-recurring nature.

Examination by the Authority of injury parameters

30. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

31. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.
32. The present investigation is a Sunset Review investigation of anti dumping duties in force. Rules 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply mutates mutandis basis in case of a review as well. The Authority has therefore determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers that the fact of existing anti dumping duties on the product of imports from China PR is required to be considered while examining injury to the domestic industry.
33. The product under consideration was being produced in India only by Hindustan Fluorocarbons Limited at the time of original investigation. Gujarat Fluorochemicals Ltd. commenced commercial production after the original investigations. Both Gujarat Fluorochemicals Ltd. and Hindustan Fluorocarbons Limited have participated in the present investigations and have provided information relevant for the present determination. Both the companies were considered as domestic Industry during Midterm Review investigation. The Authority has determined injury to the domestic industry by considering information furnished by Gujarat Fluorochemicals Ltd. and Hindustan Fluorocarbons Limited.

Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

34. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.
35. Demand of the product in the Country has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources. The share of subject country in total imports and demand in India are as follows:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI
Imports from China PR	MT	778	1,153	991	918
Third countries imports	MT	950	1,012	1,021	992
Total Imports	MT	1,728	2,165	2,013	1,910
Share of subject country in imports	%	45.01	53.27	49.23	48.06

2805 4A/11-8

Sales of domestic industry	MT	269	184	560	854
Demand in India	MT	1,996	2,349	2,573	2,765
Market share in Demand					
Domestic industry	%	13.48	7.83	21.76	30.89
China	%	38.98	49.08	38.52	33.21
Third countries	%	48	43.09	39.72	35.90

36. The Authority notes that:

- i. Despite the fact that anti dumping duties is in place on imports from China, the volume of imports has increased during POI compared to base year. On overall basis, imports from 2006-07 to POI have shown increase of 18% , which is quite significant considering the product is attracting Anti Dumping Duty .
- ii. Market share of China in demand of PTFE in India was as high as 33.21 % in Period of Investigation. Even though the market share of China declined over the injury period, yet, the same is quite significant, particularly considering the anti dumping duty in force.

Price effect of imports

37. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of imports and the average net selling price of the domestic industry as under. Selling price of the domestic industry has been determined net of all rebates and taxes, at the same level of trade.

38. The domestic industry argued that the import price reported in Indian customs data is significantly higher than the import price reported in China customs data. It is seen that there is significant difference in the price reported in DGCI&S and China Customs. The table below demonstrates.

Particular	Units	China Customs	DGCI&S
Volume	MT	1,014	918
Value	Rs.Lacs	2,894.08	3,087.62

Rate	Rs/Kg	285.45	336.28
------	-------	--------	--------

However, the Authority notes that the China customs data (World Trade Atlas) reports the volume of subject goods which have been despatched from China PR, while DGCI&S captures the data regarding volume of the goods which have actually arrived in India. Therefore, the Authority has considered the DGCI&S data (both volume and value) for the purpose of injury analysis. Thus, the landed value of imports of subject goods from subject country based on DGCI&S data has been compared with the net selling price of the domestic industry as under. The comparison showed that price undercutting effect of dumped imports from China PR is negative.

Particulars	Unit	POI
Landed Price of imports	Rs. Kg	***
Net sales realization	Rs. Kg	***
Price undercutting amount	Rs. Kg	Neg.
Price undercutting	%	Neg.

39. The Authority has also noted that the landed value of subject imports from subject country is significantly below the cost of production and non-injurious price of domestic industry, thus having significant price underselling effects as demonstrated in the following table.

Particulars	Unit	Du-Pont	Other non co-operating exporters
Landed Price of Imports	Rs./Kg	***	***
Non Injurious price (NIP) of DI	Rs./Kg	***	***
Cost of Sales of DI	Rs./Kg	***	***
Price Underselling	Rs./Kg.	***	***
Price Underselling	%age Range	70 -80	120 - 130

Economic parameters of the domestic industry

40. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective

and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. However, the present investigations being a Sunset review investigations, injury to the domestic industry is required to be assessed on mutates mutandis basis. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Production, sales and capacity utilization:

41. The volume of domestic production and effects of dumped imports on the domestic operation of the domestic industry have been examined in terms of total production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry.

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Installed capacity	MT	500	2,333	6,000	6,000
Production	MT	245	826	1,657	2,050
Capacity Utilization	%	49.00	35.38	27.61	34.17
Sales of Domestic Industry	MT	269	184	559	854

42. It is noted that:

- i. Capacity for the product under consideration enhanced in 2007-08 by M/s GFL this is because of setting up of fresh capacities by the company. In the year 2006-07 capacity was available for M/s HFL. Therefore, capacity utilization during the POI has been compared with the year 2007-08 and the same appears to have marginally reduced. Capacity utilization of the domestic industry declined over the period despite duty being in force
- ii. Production of Domestic Industry increased over the injury period, which is reflective of commencement of fresh production capacities in the Country.
- iii. Sales volumes of the domestic industry increased over injury period.

Market share:

43. The effects of the dumped imports on the domestic sales and market share of the domestic industry have been examined as below:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Import from China PR	MT	778	1,153	991	918
Import from other countries	MT	950	1,012	1,021	992
Sales of domestic industry	MT	269	184	559	854
Total Demand in India	MT	1,996	2,349	2,571	2,764
Market share in Demand					
Share of Domestic Industry	%	13.46	7.84	21.78	30.90
Share of China PR	%	38.95	49.09	38.52	33.21
Share of other countries	%	47.59	43.07	39.70	35.89
Total	%	100	100	100	100

It is noted that

- i. Market share of the domestic industry has shown an increase during POI compared to base year as well as year 2007-08. This is due to addition of the fresh capacity in 2007-08.
- ii. The market share of China continues to be significant despite existing anti dumping duties.

Profits/Loss, cash flow and return on investments

44. The Authority determined the position of the domestic industry with regard to profits, cash flow and return on investments earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market. The verified information shows as follows. In view of exports by the domestic industry, the Authority considered only the domestic market sales for the purpose of analysis of aforesaid parameters.

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Cost of sales –	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	121	89	74
Net Selling Price – Domestic	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	72	74
Profit/Loss (PBT) –	Rs./Kg	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(165)	(117)	(73)
Profit/Loss (PBT)	Rs. Lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(113)	(243)	(232)
Profit/Loss (PBIT)	Rs Lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(116)	(229)	(204)
Cash Profit/(loss)	Rs. Lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(148)	(259)	(223)
Return on Capital Employed on NFA basis	%	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(7.45)	(8.75)	(7.29)

45. From the above it is noted that:

- The domestic industry suffered continued financial losses despite anti dumping duty in force. The financial losses are quite significant.
- Selling price of the domestic industry declined significantly by about 25% over the injury period.
- The domestic industry had significantly high costs in the beginning. This was partly due to commencement of new production facilities with Gujarat-Fluorochemicals Ltd. and low volume of production in Hindustan Fluorocarbons Limited due to persistent dumping of the product. As the domestic industry increased its production, its cost of production declined significantly due to apportionment of fixed expenses over larger production. It is noted that the decline in cost of production is largely due to decline in incidence of fixed overhead costs and not due to decline in input prices.

- iv. Cash losses have increased during the injury period. The domestic industry has suffered negative cash profits throughout the injury period.
- v. Return on Investment remained negative throughout the injury period. Further, the improvement in return on investment in 2007-08 is due to commencement of new production facilities and consequent increase in capital employed. The return on capital employed improved from negative ***% during base year to negative ***% during POI.
- vi. Cash profit, profit before tax and profit before interest and tax has remained negative throughout the injury period. This situation is despite existence of Anti Dumping Duty.

Employment, productivity and wages

46. Verified information with regard to number of employees , productivity and wages shows as follows

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	(POI)
Employment	Nos.	146	167	300	264
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	215	277	305
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	294	329	463

47. Employment with the domestic industry has increased. The increase in employment is because of addition of capacities during the investigation period. Wages paid have also increased. Productivity of the domestic industry has shown significant improvement .

Inventories

48. Authority notes that inventories of the product with the domestic industry have shown a significant surge in the investigation period. While it is noted that some increase in inventories could be due to one more company commencing production, the increase in the inventories is too significant to contribute to this reasoning.

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	(POI)
Opening Stock	MT	32	8	490	752
Closing Stock	MT	8	490	752	972
Average Stock	MT	20	249	621	862
Number of days sales in stock	Nos.	11	972	490	415

Magnitude of Dumping

49. The dumping margins determined are above de minimis level and are significant despite anti dumping duty in force.

Growth

50. The domestic industry continues to face negative growth in terms of a number of parameters. Domestic Industry has registered a negative growth in terms of profits, return on investment and cash flow. Even though growth on account of production, capacity utilization, sales and market share was positive, the same is adverse as compared to existing capacities and demand for the product in the Country. This situation is despite existence of Anti Dumping Duty in force.

Ability to raise fresh investment

51. While one of the domestic industry (Gujarat Fluorochemicals Ltd.) is a multi product company, the other (Hindustan Fluorocarbons Limited) is a subsidiary of HOCL, which is also a multi product company. It is noted that the domestic industry has been suffering financial losses for quite some time on the subject goods which is a constraint on their ability to raise fresh investment. However, Gujarat Fluorochemicals Ltd. has claimed to have invested further for producing more grades of the product under consideration so as to ensure continued efforts of the domestic industry to increase product types that can be offered by the domestic industry.

Conclusions on Injury

52. Keeping in mind the aforesaid analysis of the injury parameters and considering the fact that anti-dumping duties are in place on the subject goods from the subject country, the Authority has concluded that performance of the domestic industry has deteriorated in terms of parameters such as inventories, profits, cash profits. Further, even though the performance of the domestic industry improved in terms of capacity, production, domestic sales and market share of the domestic industry, it is noted that the capacity utilization and market share of the domestic

industry is still very low. Inventories with the domestic industry have increased significantly. Subject imports have a price underselling effect on the domestic industry. The domestic industry has thus suffered continued material injury.

G. Causal Link

53. As per the AD Rules, the Designated Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found that

- i. **Imports from Third Countries:** - The Authority notes that price of imports of the subject goods from third countries are significantly higher than that of the subject country except Russia. However, imports from Russia are currently attracting Anti Dumping Duty.
- ii. **Contraction in Demand:** - There is no contraction in the demand during injury period. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period. Possible decline in demand is not a possible cause of injury to the domestic industry.
- iii. **Pattern of consumption:** - No significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in this regard.
- iv. **Conditions of competition:** - the investigation has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.
- v. **Developments in technology:** - the investigation so far has not shown that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.
- vi. **Export performance of the domestic industry:** - the export volumes of the domestic industry have increased significantly. However, the volume, price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of present injury assessment.
- vii. **Carbon Credits** - some interested parties argued that the domestic industry is earning good revenue from sale of carbon credits. The Authority notes that the credits are being generated from R-23, and not from the production of subject goods. Further, R-23 is not a raw material for the product under consideration. The issue has already been examined by the Authority in the Midterm Review investigation.

concerning the same product where it was held that the Carbon credits do not accrue from the production and sale of subject goods.

54. While above non attribution analysis shows that injury to the domestic industry has been caused by other known factors, Authority examined whether continued injury to the domestic industry is being caused by continued dumped imports. Following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:

- a. The domestic industry's net selling prices during POI are much below the level of NIP.
- b. Landed price of subject imports have caused price underselling in the Indian market. Resultantly, lower landed prices have prevented the domestic industry from increasing their prices to recover its NIP. The domestic industry has not been able to increase its prices in order to come out of the injury suffered in the past. Thus, continued adverse performance on account of profits, return on investments and cash profits is due to presence of dumped imports in the market.

H. Likelihood of continued injury

55. The current investigation is a Sunset review of anti-dumping duties earlier imposed on imports of PTFE from China. Under the Rules, the Authority is required to determine whether continued imposition of anti-dumping duty is warranted. This also requires a consideration of whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping. The Authority has conducted investigation and examined dumping and consequent injury in the context of the application filed by the domestic industry and submissions made by the interested parties, wherein the domestic industry claimed that despite the anti-dumping duties being in force, the imports from subject country has remained significant throughout the injury period. There has been a midterm review investigation as the Anti Dumping Duty imposed was not serving the intended purpose of eliminating injurious dumping. There are evidences of dumping of the subject goods by the subject country in different parts of the world along with dumping in Indian market. The evidence regarding significant capacities have been provided. Existence of significant capacities and positive price underselling effect clearly implies that the consumers would find Chinese product cheaper and would increase their sourcing from China, should the present duties cease.

56. It has been contended by Domestic Industry that there is a significant price difference in the Indian market and the price at which Chinese manufacturers are willing to sell the product. The Indian market would therefore be reasonably attractive to the Chinese producers, thus leading to significant increase in imports. If the domestic industry attempts to respond to this possible situation, the domestic industry will have to reduce the prices in the domestic market. If the domestic industry reduces the prices, the losses being suffered by the domestic industry would increase

further. However, the information released by China Customs clearly establishes that the material is continuously exported at lower prices.

57. The Authority has considered following parameters while examining likelihood of continued dumping and injury in case of withdrawal of anti-dumping duty –

- i. Dumping margins determined in the original, Midterm review investigation and the current investigation are significant. The product continues to be exported by the subject country during the present POI at significantly dumped prices in spite of existing anti-dumping duties;
- ii. Volume of imports has increased further after imposition of anti-dumping duties. The volume of imports in the current investigation period is higher than even the original investigation period.

Years	China	Other Countries	Total
	MT	MT	MT
2000-01	9	483	492
2001-02	11	723	734
2002-03	53	810	863
Jan.-Dec., 2003	233	775	1009
2003-04	272	856	1128
2004-05	736	748	1484
2005-06	644	777	1421
2006-07	778	950	1728
Oct., 07 – Sept., 08	1180	1137	2317
2007-08	1153	1012	2165
2008-09	991	1021	2013
2009-10	918	992	1910

Source: Findings issued by the authority and DGCI&S

- iii. Freely disposable production capacities – The information provided by the domestic industry and not contested by other interested parties shows existence of significant un-utilized capacities in

China. The same has also been confirmed in the Midterm Review final findings dated 26th February, 2010. The following table demonstrates the subject country's unutilized capacities:

SN	Country	Names of the producers	Collective capacity (MT)
1.	China	<ul style="list-style-type: none"> • Shanghai 3F • Meilan • Dongyue • Fuxin • Jinan 3F • Juhua • Daikin Changsue • Chenguang 	34,000
2.	Other countries		93,500
3.	Global - Total		1,27,500

- iv. Information available from World Trade Atlas shows that China PR has exported substantial quantities of subject goods to countries like Korea RP, Italy, Germany, Australia, U.K. and Brazil etc. (which constitute about 45% share of total world export by China PR) with average export prices lower than the average export price to India. Thus, there is a likelihood of diversion of these exports to India in case of withdrawal of anti dumping duty.
- v. Domestic industry claimed that its situation continues to be vulnerable despite current duties. Injury to the domestic industry is therefore likely to continue.

I. Magnitude of Injury and injury margin

58. The non-injurious prices for the subject good has been determined following the principles laid down in Annexure-III to the rules and the same has been compared with the landed value of the imports from the subject country for determination of injury margin. The weighted average landed price of the imports from the subject country and injury margin have been worked out as follows:

Particulars	Unit	DuPont	Other non cooperating exporters
Landed price of imports	US\$/Kg	***	***

Non injurious price of the domestic industry	US\$/ Kg	***	***
Injury margin	US\$/ Kg	***	***

J. Indian industry's interest & other issues

58. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

K. Conclusion

59. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) The subject goods have been exported to India from the subject country below the normal value despite the anti-dumping duty in place.
- (ii) The domestic industry has suffered material injury;
- (iii) The material injury has been caused by the dumped imports from the subject country and is likely to be caused by dumping of subject goods from China PR in case of revocation of duty.
- (iv) The dumped imports and the consequential injury are likely to continue in case of withdrawal of anti-dumping duty, given the huge unutilized production capacities available with the subject country and large volume of the subject country's exports to other countries of the world at a price below their export price to India.

L. Recommendation

60. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and causal link between dumping and injury to the domestic industry, in terms of the Rules laid down, and having established positive dumping margin in respect of the subject country and a positive determination of likelihood of dumping and injury on account of imports from subject country, and having concluded that the domestic industry suffered material injury, the Authority holds that imposition of definitive anti dumping measure is required in respect of the subject country to prevent injury to the domestic industry. Therefore, Authority considers it necessary to recommend continued imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country, in the form and manner described hereunder.

61. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the margin of dumping or margin of injury whichever is lesser, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col.8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification

to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

S. No	Sub-Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount (US\$/kg)
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	3904 61	Polytetra-flouro-ethylene (PTFE)	China PR	China PR	DuPont (Changshu) Fluoro Technology Company Limited	DuPont (Changshu) Fluoro Technology Company Limited	2.48
2.	- do -	- do -	China PR	China PR	- do -	Any other than DuPont (Changshu) Fluoro Technology Company Limited	3.87
3.	- do -	- do -	China PR	Any	Any except above	Any	3.87
4.	- do -	- do -	Any except China PR and country attracting AD duty	China PR	Any	Any	3.87

62. An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority